www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 183 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
25 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:54
सूर्यास्तः 06:02
अधिकतमः 23:00
न्यूनतमः 22:00

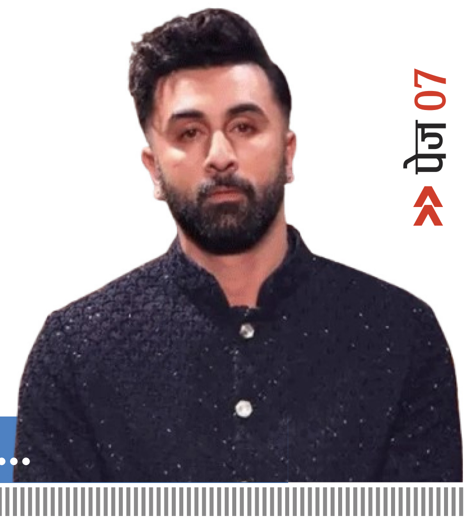

पेज 07

विशेष समाचार | अंत्योदय : विकसित भारत ... >> पेज 04 | करोड़पति कारोबारी की हत्या... >> पेज 06 | 'लव एंड वॉर' से रणबीर का...

शिकायतकर्ता से मिले बिना बनी रिपोर्ट, पैमाइश के नाम पर पुलिस ने समेट दी फाइल

जांच का 'कंट्री डिजाइन'

तफ्तीश

तमसा संकेत, संवाददाता

अकबरपुर (अम्बेडकरनगर)। सरकारी दफ्तरों में शिकायतों के निस्तारण का तरीका भी कभी-कभी अपने आप में सवाल बन जाता है। अकबरपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत नेनुआ से सामने आया एक मामला कुछ ऐसा ही है, जहां शिकायतकर्ता के मुताबिक जमीन का विवाद मौके पर था, मकान मौके पर था, आरोप मौके पर थे, लेकिन जांच का नतीजा कागजों पर ही तैयार हो गया। लोकतंत्र सेनानी स्व. ओम कृष्ण श्रीवास्तव की पत्नी विद्या देवी ने अपने पुश्तैनी मकान, आबादी गाटा संख्या 364ख तथा कृषि भूमि से संबंधित विवाद को

सीओ नीतीश कुमार

लेकर मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत की थी। उनका आरोप है कि देखरेख एवं बटाई के लिए जमीन की जिम्मेदारी संतराम यादव के पुत्र सुभाष यादव आदि को दी गई थी, लेकिन बाद में पुश्तैनी मकान में कथित रूप से तोड़फोड़ एवं फेरबदल किया गया और घर में रखा गृहस्थी का सामान भी गायब कर दिया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

लेखपाल की आख्या पर भी सवाल-बिना बयान लिए लिख दिया "प्रार्थिनी संतुष्ट हैं"

सवाल सिर्फ यह नहीं है कि जमीन किसकी है। बड़ा सवाल यह भी है कि जांच की प्रक्रिया कितनी निष्पक्ष और पूरी थी?

- उपनिरीक्षक रमाशंकर सरोज की रिपोर्ट में विपक्षी का बयान-"जहां जमीन हो, पैमाइश करा लें", लेकिन पैमाइश हुई या नहीं, सवाल बरकरार
- सीओ कार्यालय पहुंचा मामला, फिर भी नहीं खुली जांच की बंद फाइल

आईजीआरएस का निस्तारण या शिकायत का 'कागजी पोस्टमार्टम'?

यह पूरा मामला अब एक बड़े सवाल में बदलता जा रहा है—क्या IGRS शिकायत का मतलब सिर्फ एक रिपोर्ट लगाकर फाइल बंद करना है, या शिकायतकर्ता की वास्तविक समस्या का समाधान करना भी निस्तारण का हिस्सा है? अगर शिकायतकर्ता की बात के अनुसार न तो उसका बयान लिया गया, न जमीन की पैमाइश हुई, न मकान की स्थिति का पर्याप्त सत्यापन हुआ और न ही गृहस्थी के सामान से जुड़े आरोप की जांच हुई, तो फिर "संतुष्ट" और "निस्तारित" जैसे शब्द किस आधार पर रिपोर्ट का हिस्सा बने?>> (शेष पेज 06 पर)

सीओ कार्यालय में रिमाइंडर, फिर भी सवाल वहीं के वहीं

फर्जी अथवा एकपक्षीय निस्तारण का आरोप लगाते हुए प्रार्थिनी ने 25 अगस्त 2026 को क्षेत्राधिकारी कार्यालय अकबरपुर में लिखित रिमाइंडर भी दिया। प्रार्थिनी का आरोप है कि इसके बाद भी मामले की निष्पक्ष पुनः जांच नहीं कराई गई। क्षेत्राधिकारी नीतीश कुमार तिवारी की भूमिका को लेकर भी प्रार्थिनी ने सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि शिकायत के बावजूद मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

हालांकि इन आरोपों पर संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है। यदि विभागीय स्तर पर जांच होती है तो यह भी स्पष्ट हो सकता है कि लेखपाल और पुलिस की आख्या किन तथ्यों, बयानों और मौके के साक्ष्यों के आधार पर तैयार की गई।

नाकारा अधिकारीयों, कर्मचारियों की नकेल कसने की जरूरत

योगी के बुलडोजर पर भूमाफियाओं का कब्जा

> आरोप है कि जीरो टॉलरेंस की सरकार की योजनाओं के साथ-साथ आईजीआरएस को भी कुछ अधिकारी और कर्मचारी कथित रूप से धन उगाही का जरिया बनाकर सरकार की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। बरियावन बाजार बुलडोजर कांड ने जिले के आला अधिकारियों के कान खड़े कर दिए हैं और प्रशासन के सामने भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

डीएम ईशा प्रिया

विधानसभा सीटों पर समाजवादी पार्टी का दबदबा रहा

वैसे भी कटेहरी विधानसभा के उपचुनाव को छोड़ दिया जाए तो जनपद की अन्य विधानसभा सीटों पर समाजवादी पार्टी का दबदबा रहा है। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक स्तर पर आईजीआरएस जैसी व्यवस्था की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर उठ रहे सवालों का समाधान बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।

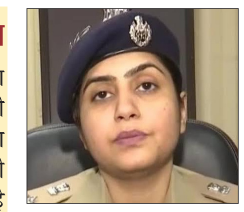

एसपी प्राची सिंह

राज्य मुख्यालय से

लखनऊ/अंबेडकर नगर। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव सिर पर हैं। एक ओर सरकार के मंत्री और संगठन के नुमाइंदे गांव-गांव और शहर-शहर जाकर सरकार की उपलब्धियां गिना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पुलिस के सिपाही से लेकर थानेदार और क्षेत्राधिकारी तक तथा राजस्व विभाग में लेखपाल से लेकर एसडीएम तक के स्तर पर आईजीआरएस को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह अलग बात है कि बरियावन बाजार बुलडोजर कांड की कई कड़ियां सामने आ चुकी हैं और आने वाले दिनों में अन्य कड़ियां भी सामने आने की संभावना है। जिलाधिकारी चाहें तो पूरे जनपद की सभी तहसीलों में पिछले छह महीने में आईजीआरएस पर निस्तारित मामलों का सत्यापन करा सकती हैं। इसी तरह पुलिस अधीक्षक भी सभी थानों में पिछले छह महीने में आईजीआरएस पर की गई कार्रवाई का सत्यापन करा सकती हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

मुख्य चुनाव आयुक्त 48 घंटे में इस्तीफा दें : कॉकरोच पार्टी

वरना देशभर में आंदोलन करेंगे, वे देशद्रोही, एसआईआर में 13 करोड़ नाम काटे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे में इस्तीफा देने का अल्टीमेटम दिया है। पार्टी ने कहा कि अगर उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया तो देशभर में आंदोलन किया जाएगा और इसके बाद दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- ज्ञानेश कुमार इस देश के सबसे बड़े गद्दार हैं। उन्होंने SIR के जरिए देश में 13 करोड़ से ज्यादा वोट डिलीट किए। लोगों से वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

रिपोर्ट में दावा- चुनाव आयुक्तों ने आपत्तियां ज्ञानेश कुमार को भेजी थीं

इंडियन एक्सप्रेस की 23 सितंबर की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 28 अक्टूबर 2025 से 14 अगस्त 2026 के बीच 14 बार आयोग के फैसलों पर लिखित आपत्ति दर्ज की। इनमें वोटर लिस्ट, Form-6, नए वोटरों और वोटर डेटाबेस से जुड़े मुद्दे शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक, इन आपत्तियों की प्रतियां CEC ज्ञानेश कुमार को भी भेजी गई थीं। यह विवाद जून 2025 से बिहार में शुरू हुए SIR के दौरान सामने आया।

सीएम योगी का उपहारः लखनऊ में दस लाख लोगों को मिलेगा अपना घर

दो आवासीय और पांच अपॉर्टमेंट प्रोजेक्ट लॉन्च

सौगात

10,680
एकड़ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एलडीए की वरुण विहार व नैमिष नगर योजनाओं का किया भूमिपूजन

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। राजधानी में घर का सपना संजोने वालों को मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने गुरुवार को बड़ा उपहार दिया। मुख्यमंत्री ने आगरा एक्सप्रेसवे के निकट ग्राम दोना में आयोजित कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 12 हजार करोड़ रुपये की लागत से 10,680 एकड़ में लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की वरुण विहार व नैमिष नगर योजनाओं का भूमिपूजन किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

मंच पर 6 किसानों को बुलाया सबने अनुभव बताए

मंच पर सीएम योगी के सामने भूमि देने वाले किसानों में से 6 को बुलाया गया। सबने अनुभव बताए। एक किसान ने बताया कि उन्हें अपनी जमीन के 2.80 करोड़ रुपए मिले हैं। एक किसान ने बताया कि उन्हें 2.90 करोड़ रुपए मिले। उन्होंने उन्नाव में जमीन और घर दोनों खरीद लिया। एक किसान की बेटी ने बताया कि उसे 80 लाख रुपए मिले। उस पैसे से उसने एक जगह जमीन खरीदी और बचे हुए पैसे से मेडिकल की पढ़ाई भी करेगी।

सभी के लिए लाभकारी होगी दोनों योजनाएं

सीएम ने कहा कि ये दोनों योजनाएं आने वाले समय में लखनऊ के विस्तार, संभावनाओं और सुरक्षित आवास की दृष्टि से लाई गई हैं। अध्ययनरत छात्रों, हेल्थकेयर में संभावनाओं को बढ़ाने वाले युवाओं, रोजगार की दृष्टि से राजधानी आने वालों और लखनऊ को भविष्य मानकर यहां जीवन व्यतीत करने का विचार रखने वाले नागरिकों के लिए ये दोनों आवासीय योजनाएं अत्यंत लाभकारी होंगी।

4520
भूखंडों के लिए पंजीकरण का शुभारंभ व 2166 करोड़ से प्रस्तावित पांच बहुमंजिला अपार्टमेंट्स का शिलान्यास

फास्ट न्यूज

भाजपा ने बंगाल चुनाव में 287 करोड़ खर्च किए

नई दिल्ली। बीजेपी ने असम, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों में कुल 529.38 करोड़ रुपए खर्च किए। इसमें सबसे ज्यादा 286.99 करोड़ रुपए पश्चिम बंगाल में खर्च हुए।

मांग | धरना

आईआईटी-बॉम्बे सुसाइड केस, साहिल के पेरेंट्स भूख हड़ताल पर बैठे

मुंबई। IIT बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की मौत मामले में उसके माता-पिता रवींद्र और सोनाली गुरुवार को मुंबई के आजाद मैदान में भूख हड़ताल पर बैठ गए। साहिल के पिता रवींद्र ने आरोप लगाया कि उनके बेटे ने संस्थान में बार-बार जातिगत भेदभाव का सामना करने की बात बताई थी। उन्होंने कहा- जिन लोगों ने मेरे बेटे को प्रताड़ित किया, उन्हें जेल में डालना चाहिए। इससे पहले राहुल गांधी ने दोनों से वीडियो कॉल पर बात की और उन्हें मदद का भरोसा दिया। दोनों ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष से भी मुलाकात की और बेटे की मौत की जल्द जांच की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा।

मोदी ने 8-8 के ग्रुप में मंत्रियों की क्लास ली

नई दिल्ली । केंद्रीय की मोदी सरकार के पूरे मंत्रिपरिषद के चिंतन शिविर में गुरुवार को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ वास्तविक जरुरतमंदों तक पहुंचाने और लोगों की भलाई के कामों की जानकारी लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर बात हुई। मोदी ने मंत्रियों से कहा कि लोगों का जीवन आसान बनाना हमारा टारगेट होना चाहिए।

राहुल बोले- मैंने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था, सरकार ने उन्हें कानून से ऊपर रखा

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने वोट चोरी की : राहुल गांधी

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । राहुल गांधी ने चुनाव आयोग, SIR और वोटर लिस्ट से जुड़े विवादों पर गुरुवार को 55 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने वोट चोरी की है। वे देशद्रोही हैं। मैंने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था, लेकिन सरकार ने मेरी बात नहीं मानी।

राहुल ने बताया, भारत में हर सरकार के खिलाफ एंटी-इंकंबेंसी

राहुल गांधी ने कांग्रेस मुख्यालय में गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

होती है, इंदिरा गांधी बांग्लादेश युद्ध जीतने के बाद भी हारीं, फिर भाजपा के साथ ऐसा क्यों नहीं हुआ। इसकी वजह ज्ञानेश कुमार हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

वोटर डेटाबेस का कंट्रोल किसके पास

चुनाव आयोग के मुताबिक, वोटर लिस्ट तैयार करने की जिम्मेदारी विधानसभा स्तर के ERO की होती है। लेकिन संधू और जोशी ने सवाल उठाया कि क्या ERO की वोटर डेटाबेस तक पहुंच धीरे-धीरे सीमित की जा रही है?

>> (शेष 06 पर)

राहुल ने पीएम मोदी, गृह मंत्री शाह समेत 19 लोगों की तस्वीरें दिखाईं। उन्होंने कहा कि यह सभी लोकतंत्र को खत्म कर रहे हैं।

दो चुनाव आयुक्तों ने 10 महीनों में 14 बार लिखित आपत्ति जताई

द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज कराई। संधू और जोशी का आरोप है कि आयोग के कई फैसले और आदेश उनकी जानकारी के बिना लिए और जारी किए गए। उन्होंने कुछ कदमों को 'अनधिकृत और गैरकानूनी' बताया।

जमुई के बाद समस्तीपुर में लड़की से बदसलूकी

युवकों ने नाबालिग को घसीटा, मंत्री का बेतुका बयान

छेड़छाड़

तमसा संकेत, एजेंसी

समस्तीपुर । बिहार के समस्तीपुर में भी जमुई जैसी छेड़छाड़ की घटना हुई है। सड़क पर कुछ लड़कों ने एक नाबालिग लड़की के साथ बदसलूकी की, जिसका वीडियो 21 सितंबर से वायरल है। लड़की युवकों से बार-बार छोड़ने के लिए कहती है, लेकिन युवकों ने बीच सड़क उसका हाथ पकड़ा, विरोध करने पर पीटने की कोशिश की, बाल खींचे और दूसरी तरफ ले गए। घटना 15 सितंबर की है। समस्तीपुर पुलिस को इसकी जानकारी 23 सितंबर की रात करीब साढ़े 10 बजे मिली। इसके

बाइक के पास खड़ा वार्ड मेंबर का बेटा

बाद पुलिस ने कर्पूरी ग्राम थाना क्षेत्र में कई जगहों पर छापेमारी की। 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बिहार सरकार में मंत्री दिलीप जायसवाल ने बेतुका बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जमुई या समस्तीपुर हो, इस तरह की घटनाओं की रील बनाना एक साजिश है।

>> (शेष पेज 06 पर)

निचली अदालतें उम्रकैद बदल नहीं सकती : सुप्रीम कोर्ट

हत्या के केस में 25 साल की सजा तय की

आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि हत्या के मामले में किसी आरोपी को दोषी ठहराते समय सेशंस कोर्ट यह आदेश नहीं दे सकता कि दोषी अपनी बाकी बची पूरी जिंदगी जेल में ही बिताएगा।

यह फैसला पंजाब के लुधियाना में दिसंबर 2009 में एक महिला और उसकी दो नाबालिग बेटियों की हत्या के मामले में आया। सुप्रीम कोर्ट ने दोषसिद्धि बरकरार रखते हुए दो दोषियों की सजा बदलकर 25 साल की कैद कर दी है। मामला नवल किशोर और एक और दोषी की अपील से जुड़ा था। दोनों पर

- सुप्रीम कोर्ट बोला- विशेष अधिकार संवैधानिक अदालतों के पास

लुधियाना में एक महिला पिंकी, उसकी 8 साल की बेटी दिव्या और 5 साल की बेटी पूजा की हत्या का आरोप था। बेंच ने पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि उम्रकैद के दोषी को बाकी जिंदगी तक जेल हो सकती है, लेकिन वैधानिक माफी और सजा कम करने की शक्तियों को सेशंस कोर्ट सीमित नहीं कर सकता।

>> (शेष पेज 06 पर)

दुर्घटना : यात्री बोले- सिगरेट पी रहे थे ड्राइवर-क्लीनर आग भड़की तब भी बस नहीं रोकी

नोएडा में चलती स्लीपर बस में आग 9 जिंदा जले

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा । नोएडा में बुधवार रात यमुना एक्सप्रेस-वे पर चलती स्लीपर AC बस में आग लगने से 9 यात्रियों की मौत हो गई। इनमें 8 पुरुष और एक महिला है।

बस में कुल 35 यात्री सवार थे। 20 को रेस्क्यू किया गया, जबकि कुछ लोग खिड़कियां तोड़कर निकले। अंदर फंसे लोग बुरी तरह जल गए। उनके शव तक की पहचान नहीं हो पाई।

बस दिल्ली के कश्मीरी गेट से रात 9:30 बजे महोबा के लिए निकली थी। करीब 11:30 बजे

हादसे में बस पूरी तरह जल चुकी है। 9 यात्री बस के अंदर ही जलकर मारे गए।

जेवर एयरपोर्ट से 500 मीटर आगे इसमें आग लग गई। बस में सफर कर रहे सुनील कुमार ने पुलिस को बताया कि ड्राइवर-क्लीनर सिगरेट पी रहे थे। यात्रियों ने विरोध किया तो दोनों हंसने लगे। बस में जलने की गंध भी आ रही थी, कुछ

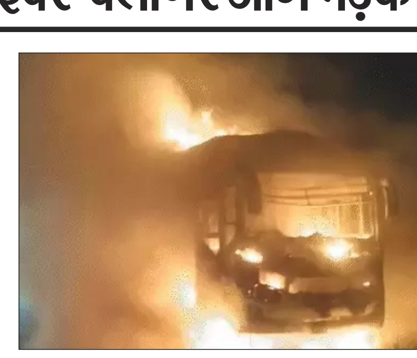

कुछ मिनट में आग पूरी बस में फैल गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

बस मध्य प्रदेश की, 19 चालान, 1.75 लाख जुर्माना हो चुका

पुलिस ने बताया कि बस मध्य प्रदेश के राज कल्पना ट्रैवल्स की है। इसके 19 चालान हो चुके हैं और 1.75 लाख जुर्माना लगाया गया है। पुलिस ने दो ड्राइवर पवन, विनोद और कंडक्टर योगेश को गिरफ्तार किया है।

देर बाद उसमें आग लग गई। आग के बावजूद ड्राइवर ने तुरंत बस नहीं रोकी। यात्रियों के शीशे तोड़ने के बाद ही उसे रोका गया।

> बस की डिग्गी में काफी मात्रा में नेल पॉलिश मिली है। नेल पॉलिश एक ज्वलनशील चीज होती है। इससे आग तेजी से भड़कती है। वहीं एक सिलेंडर भी मिला है।

बस का पिछला हिस्सा काटकर पहुंचे फायर फाइटर्स

फायर ऑफिसर ने बताया कि फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियों ने 45 मिनट में आग बुझाई। फायर फाइटर्स बस का पिछला हिस्सा काटकर अंदर पहुंचे, तब एक-एक करके शव बाहर निकाले गए। रेस्क्यू करीब 2 घंटे चला। नोएडा के चीफ फायर ऑफिसर (CFO) प्रदीप कुमार के मुताबिक शुरुआती जांच में AC में स्पार्क या ब्लास्ट से इंजन में आग लगने की आशंका है।

पोस्टमार्टम हाउस में मृतकों के परिजनों में से एक-एक व्यक्ति को ही अंदर जाने की अनुमति दी जा रही है।

गोरखपुर में सीएम ने कहा-हमारे पास तक्षशिला-नालंदा विवि की विरासत, विकसित देशों का इतिहास 400 साल का

भारत के पास ज्ञान परंपरा दुनिया ने योग को माना

सम्मेलन

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्रकवि मैथलीशरण गुप्त ने एक पंक्ति लिखी थी 'हम क्या थे, क्या हैं और क्या होंगे अभी,आओ मिलकर विचारें हम सभी'। अपने भविष्य को लेकर, वर्तमान एवं भूत को लेकर भारत के विद्वानों ने हमेशा से चिंतन किया है। चिंतन की उसी परंपरा को ध्यान में रखकर भारतीय ऋषि हमेशा अपनी धरोहर को किसी न किसी रूप में संरक्षित करते रहे हैं।

2020 में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को भारत की ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने को प्रेरित किया। उसी क्रम में जब भारत में प्राचीन पांडुलिपियों, ताम्र पत्रों को संरखित करने की बात शुरू हुई, जो जहां-तहां बिखरी हुई थीं। कहीं शिलालेखों के माध्यम से, कहीं पांडुलिपियों के माध्यम से कहीं ताम्र पत्रों के माध्यम से।

सीएम ने यह बातें गोरखपुर में आज ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 57वीं एवं ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की12वीं पुण्यतिथि के दौरान कहीं। इस अवसर पर उनकी स्मृति में सात दिवसीय श्रद्धांजलि समारोह 24 सितंबर से 30 सितंबर तक गोरखनाथ मंदिर में आयोजित होगा। इसके अंतर्गत संगीतमय श्रीमद्भाग-वत कथा ज्ञान-यज्ञ का शुभारंभ 23 सितंबर को हो चुका है।

योगी ने कहा- भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ने के मार्ग में तीन बिंदु महत्वपूर्ण

एक सत्य का पक्ष होगा। हम जो भी कहें, प्रमाणित करके कहें।

दूसरा हमारे विरोधी होंगे जो उसे असत्य ठहराने का प्रयास करेंगे, उसके लिए आपका प्रमाण महतवपूर्ण होगा।

तीसरा दुष्प्रचार करने वाले लोग। एक पक्ष सत्य का है, एक असत्य का है और एक संशय पैदा करने वाला पक्ष है। हमें उस संशय को दूर करने का प्रयास करना होगा।

ब्रिटिशर ने भारत में आकर भ्रम पैदा करके किया

ब्रिटिश कालखंड में भी यही हुआ। ब्रिटिशर ने भारत में आकर भ्रम पैदा करके किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत नहीं, अंग्रेजी श्रेष्ठ भाषा है। उन्होंने आयुर्वेद की जगह मार्डन मेडिसिन को महत्व दे दिया। परिणाम क्या हुआ, हम धीरे-धीरे करके अपनी परंपरा से कटते गए। हमें अपने जड़ों से काटा गया।

काशी में उत्तरवाहिनी गंगा की पूजा क्यों की जाती है क्योंकि जब उसका रुख उत्तर की ओर होता है तो वह अपनी जड़ों की ओर देखने की स्थिति में होती है। हमें अपने जड़ों की ओर जाना होगा। आज उसे अपनी परंपरा के साथ जोड़ना होगा। कौन ऐसा क्षेत्र था, जिसमें भारत का ज्ञान अद्भुत न रहा हो।

मुख्यमंत्री ने कहा-लोग भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ रहे हैं। दुनिया योग मना रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा–प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को भारत की ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने को प्रेरित किया है।

हमारी ज्ञान की धरोहर को दुनिया ने मान्यता दी दुनिया में योग दिवस का आयोजन

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने अपनी स्मृति पटल पर अपने ज्ञान की धरोहर को बनाए रखा है। यही कारण है कि आज उसको मान्यता मिली। दुनिया के 190 देश 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मनाते हैं। 2014 में नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने भारत की परंपरागत चिकित्सा पद्धति को आयुष के रूप में मान्यता दी। इन परंपराओं को आज वैश्विक मान्यता मिल रही है। विदेशी आक्रांता जब आए थे तो केवल लूटपाट करने नहीं आए थे। इसके साथ ही भारत की बुद्धि को पूरी तरह अपहरण करके उसको नष्ट करना था। उन्होंने यही किया। आखिर मंदिरों को तोड़ने का क्या उद्देश्य था, वह तो किसी का कुछ नहीं बिगाड़ रहे थे। लेकिन उनका लक्ष्य भारत की सनातन संस्कृति को नष्ट करना था। आक्रांता बल के दम पर करते थे।

सीएम ने कहा- ज्ञान की धरोहर को संरक्षित किया जा रहा है

जब इन सभी मुद्दों को लेकर काम शुरू हुआ और उनके बारे में लोग जानने की इच्छा व्यक्त कर रहे हैं तो उसका महत्व सभी को समझ में आ रहा है। प्रदेश में कई शहरों में उस ज्ञान की धरोहर को संरक्षित करने के लिए हमें पांडुलिपियां, ताम्रपत्र व शिलालेख उपलब्ध हुए हैं। उसके माध्यम से तत्कालीन समाज की जानकारी भी मिल रही है। दुनिया में अकेले भारतीय समाज होगा, जिसने ज्ञान को केवल अक्षर की जानकारी का माध्यम नहीं बनाया। भारत के पास दुनिया की सबसे अच्छी जलवायु है, सबसे अच्छी उर्वरा भूमि है, सबसे अच्छा जल संसाधन है, सब कुछ हमारे पास है। लेकिन दुनिया के भीतर हमारी पहचान क्या थी। लेकिन हम ज्ञान की परंपरा के कारण विश्व गुरु कहलाते थे। उसपर हमारा एकाधिकार था। आज के जो विकसित देश हैं, उनका इतिहास 400 से 500 वर्षों का है। लेकिन हमारे पास आज से 2600 वर्ष पहले तक्षशिला जैसा विश्वविद्यालय था। आज से 1800 वर्ष पहले नालंदा का विश्वप्रसिद्ध विवि था। कुंभ के जो आयोजन हैं, वहां पर जाकर केवम संगम में स्नान करने का महत्व नहीं था। जबकि देश के चार महत्वपूर्ण केद्रों में एकत्र होकर भारत के विद्वानों की परंपरा, अपने नवाचारों को लेकर परस्पर चर्चा-परिचर्चा करते थे। प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जेन व नासिक त्रयम्बकेशवर में कुंभ की परपंरा आगे बढ़ी।

फास्ट न्यूज

अवध ताइक्वांडो चैंपियनशिप के खिलाड़ियों को डीएम ने किया सम्मानित

बाराबंकी। बाराबंकी में अवध ताइक्वांडो चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को गुरुवार को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने अपने कार्यालय में खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। सम्मान मिलने पर खिलाड़ियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

गोरखपुर में आजाद समाज पार्टी का हंगामा

गोरखपुर। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित होने वाले 'संपूर्ण भागीदारी महाआंदोलन' को प्रशासनिक अनुमति न दिए जाने के विरोध में गुरुवार को गोरखपुर की सड़कों पर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी का भारी आक्रोश देखने को मिला। दोपहर करीब 12 बजे सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी शहर के अंबेडकर चौराहे पर इकट्ठा हो गए। कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री अवनीश निगम के साथ अन्य कार्यकर्ताओं ने सरकार पर दमनकारी नीति अपनाने का सीधा आरोप लगाया।

गोरखपुर में मंदिर से चढ़ावा चोरी

गोरखपुर। गोरखपुर के एक मंदिर से चढ़ावा चोरी का मामला सामने आया है। यह पूरी वारदात CCTV कैमरे में कैद हो गई। जिसमें साफ तौर तर दिख रहा है कि एक व्यक्ति ने पहले पूजा की। फिर बगल में रखें थैली को खोल कर देखा और बाहर चला गया। थोड़ी ही देर बाद फिर चुपचाप मंदिर में आया और वह थैली उठाकर लेकर फरार हो गया। मंदिर के पुजारी ने बताया कि उस थैली में चढ़ावे का वस्त्र और कुछ रुपए रखे गए थे।

चकबंदी प्रक्रिया में मनमानी पर लगेगी रोक

चकबंदी रद्द होने पर अधिकारियों का क्षेत्राधिकार खत्म

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चकबंदी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने और चकबंदी प्राधिकारियों के न्यायिक क्षेत्राधिकार का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए चकबंदी आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों में चकबंदी प्रक्रिया रद्द होने के बाद अधिकारियों के अधिकार समाप्त होने से लेकर धारा-52 (1) की विज्ञप्ति जारी होने के बाद नए आपत्ति, संदर्भ और पुनर्स्थापन प्रार्थना पत्र स्वीकार नहीं करने तक की व्यवस्था स्पष्ट की गई है।

उत्तर प्रदेश जोत चकबंदी अधिनियम-1953 की धारा-6 (1) के तहत किसी ग्राम में चकबंदी प्रक्रिया रद्द होने की स्थिति में चकबंदी प्राधिकारियों का क्षेत्राधिकार समाप्त हो जाएगा। धारा-6 (2) के प्रावधानों के अनुसार चकबंदी रद्द होने के बाद विचाराधीन सभी वाद स्वतः उपशमित माने जाएंगे। इसके साथ ही संबंधित ग्राम के सभी अभिलेख तत्काल तहसील प्रशासन को वापस सौंपने होंगे। निर्देशों के तहत अभिलेखों में किए गए अंतिम संशोधन आदेशों की प्रमाणित सूचियां तैयार की जाएंगी। इसके लिए आकार पत्र-2क, 11, 23 भाग-1 और भाग-3 में दर्ज विवरण को शामिल किया जाएगा। इन सूचियों को अभिलेखागार, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी कार्यालय तथा तहसील में संबंधित राजस्व प्राधिकारियों को उपलब्ध कराया जाएगा। ग्राम सभा की भूमि से संबंधित किसी आदेश को निरस्त कराने की आवश्यकता होने पर मामला तत्काल जिलाधिकारी के समक्ष संदर्भित किया जाएगा।

वाराणसी में फ्लैट में महिला ने लगाईं फांसी

वाराणसी । वाराणसी के चितईपुर थानाक्षेत्र के नेवादा स्थित हनुमंत कृपा अपर्टमेंट में अनुराधा तिवारी (35) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला के पति धनंजय तिवारी की पूर्व में मौत हो चुकी है। जिस समय यह घटना हुई बेटा युवराज तिवारी घर पर था और उसने ही पुलिस को सूचना देने के बाद शव को पंखे से उतारकर बेड पर लिटाया।

प्रभारी निरीक्षक चितईपुर ने बताया - गुरुवार को पीआरबी द्वारा सूचना मिली कि संतुष्टि हॉस्पिटल के पास हनुमंत कृपा अपार्टमेंट नेवादा के पास एक मकान में एक महिला द्वारा सुसाइड कर ली गई है। सूचना पर मौके से पुलिस पहुंची तो अनुराधा तिवारी पत्नी स्व धनंजय तिवारी निवासी फर्स्ट फ्लोर हनुमंत कृपा अपार्टमेंट संतुष्टि हॉस्पिटल के पास नेवादा थाना चितईपुर वाराणसी ने सुसाइड की थी। बेटे युवराज तिवारी ने बताया - मां ने कब फांसी लगाईं पता नहीं। मैंने देखा मां का कमरा बंद है। जब उसे खटखटाया तो कोई आवाज नहीं आयी।

सड़क किनारे खड़े परिवार को मारी टक्कर, 4 माह की बच्ची का हाथ टूटा

ऑटो से कुचलकर बच्चे की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में गुरुवार सुबह सड़क किनारे खड़े परिवार को तेज रफ्तार ऑटो ने कुचल दिया। हादसे में 2 साल के बच्चे की मौत हो गई, जबकि 4 माह की बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई।

ऑटो की चपेट में आने से परिवार के साथ खड़ा एक अन्य व्यक्ति भी घायल हुआ है। हादसे के बाद चालक ऑटो लेकर सिकरीगंज की ओर फरार हो गया। घटना के बाद घर में चीख-पुकार मच गई।

स्थानीय लोगों ने घायलों को उरुवा पीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर फरार ऑटो चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटना उरुवा थाना क्षेत्र की है।

सुबह करीब 9 बजे उरुवा की तरफ से तेज रफ्तार ऑटो आया। वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े परिवार के लोगों को कुचलते हुए निकल गया। इसी दौरान बस का इंतजार कर रहे अमोढ़ा के रहने वाले श्रवण सिंह को भी ऑटो ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को उरुवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों ने देवांश को मृत घोषित कर दिया। तृषा के हाथ में चोट लगी थी और फ्रैक्चर हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया। सूचना पर उरुवा थानाध्यक्ष श्यामदेव चौधरी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

देवांश मृतक

कार में बैठने की तैयारी कर रहा था परिवार

पिपरा पांडेय के रहने वाले विनय पांडेय नोएडा की एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। वह 2 दिन पहले छुट्टी लेकर घर आए थे। गुरुवार को वह पत्नी श्वेता पांडेय को डॉक्टर को दिखाने के लिए गोरखपुर जाने वाले थे। उनके साथ 2 साल का बेटा देवांश भी था। विनय की बहन पुनीता भी अपनी 4 माह की बेटी तृषा के साथ मौजूद थीं। परिवार के सभी लोग घर के बाहर सड़क किनारे खड़े होकर कार में बैठने की तैयारी कर रहे थे।

दादी बोलीं- ऑटो बच्चों को कुचलते हुए निकल गया

दादी तारा पांडेय ने बताया कि उनकी बहू का करीब डेढ़ महीने पहले ऑपरेशन हुआ था। कुछ दिन से उसके टांके में परेशानी थी। उसे इलाज के लिए शहर ले जाने की तैयारी थी। उन्होंने बताया कि घर के बाहर सड़क किनारे सभी लोग खड़े थे और कार में बैठने वाले थे, तभी तेज रफ्तार ऑटो अचानक सड़क से किनारे आ गया और बच्चों को कुचलते हुए निकल गया। हादसे के बाद सड़क पर खून फैल गया।

हाईकोर्ट ने कहा- प्रोटेस्ट पिटीशन को परिवाद मानना अनुचित, परिवाद मामले में दिशा निर्देश जारी किए

13 पुलिसकर्मियों पर एससीएसटी की आपराधिक कार्यवाही रद्द

तमसा संकेत, एजेंसी

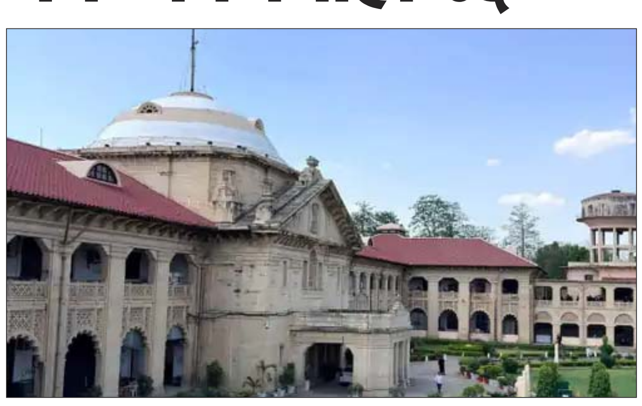

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मेरठ के थाना खरखौदा के 13 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एस सी एस टी एक्ट में चल रही आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी है।

कोर्ट ने कहा प्रोटेस्ट पिटीशन को हलफनामे के आधार पर परिवाद कायम करना अनुचित है।

हाईकोर्ट ने परिवाद मामले में दिशा निर्देश जारी किए हैं और प्रदेश की अदालतों को पालन करने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति संतोष राय ने भुवनेश कुमारी व 12 अन्य की आपराधिक अपील पर यह फैसला सुनाया।

कोर्ट ने कहा विशेष न्यायाधीश ने केस डायरी का विश्लेषण किए बिना, सिर्फ शपथपत्र, फोटो और अखबार की कतरनों के आधार पर रिपोर्ट खारिज की। आदेश में कोई कारण नहीं दिया गया।

घटना के समय और गवाहों की मौजूदगी को लेकर विसंगतियां थीं, कुछ गवाहों ने दूसरों से सुनकर बयान दिए थे। सभी आरोपी थाने में तैनात पुलिसकर्मी थे और घटना थाना परिसर में हुई बताई गई। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन की पूर्व स्वीकृति की जरूरत पर विचार किए बिना संज्ञान लेना गंभीर त्रुटि है। किसी आरोपी द्वारा जातिसूचक शब्द या जाति के कारण अपमान का विशिष्ट आरोप नहीं था।

कोर्ट ने अपील मंजूर कर संज्ञान आदेश और उससे जुड़ी सभी आगे की कार्यवाही रद्द कर दी । सभी अपीलार्थी आरोप मुक्त माने जाएंगे।

कोर्ट ने उत्तर प्रदेश की सभी आपराधिक अदालतों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए,कहा-अंतिम रिपोर्ट स्वीकार या खारिज करते समय अदालत स्वतंत्र रूप से केस डायरी की जांच करे और कारण लिखे।प्रो-टेस्ट पिटीशन के साथ शपथपत्र लगाने से वह अपने आप परिवाद नहीं बन जाएगा। इसका स्पष्ट निर्णय अदालत करे।

शपथपत्र, अखबार की कतरन और फोटो को यांत्रिक रूप से साक्ष्य न माना जाए। संज्ञान या अंतिम रिपोर्ट खारिज करने का हर आदेश स्पष्ट और तर्कसंगत हो। लोक सेवकों के मामलों में धारा 197 सी आर पी सी या धारा 218 बी एन एस एस पर विचार हो।

जातिसूचक गालियां, हिरासत में यातना

शिकायतकर्ता सरोज ने आरोप लगाया था कि 18 जून 2017 को थाने में उन्हें जातिसूचक गालियां दी गईं, मारपीट की और हिरासत में यातना दी गई। यह मुकदमा कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ। विवेचना के बाद पुलिस ने साक्ष्य के अभाव में अंतिम रिपोर्ट लगाई और सरोज के खिलाफ महिला कांस्टेबल भुवनेश कुमारी की रिपोर्ट पर परिवाद दर्ज हुआ था, और सरोज को जेल भी भेजा गया था। कोर्ट ने कहा कि संज्ञान लेने का आदेश ₹मध्यवर्ती आदेश₹ है, केवल अंतरवर्ती नहीं, इसलिए एस सी एस टी एक्ट की धारा 14-ए में अपील सुनी जा सकती है।

> **कोर्ट ने मेरठ के विशेष न्यायाधीश का 6 अक्टूबर 2018 का फैसला निरस्त कर दिया, जिसमें पुलिस की अंतिम रिपोर्ट खारिज कर प्रोटेस्ट पिटीशन को परिवाद के रूप में दर्ज किया गया था। इस फैसले से पुलिस कर्मियों को बड़ी राहत मिली है।**

अघोरी के भेष में बाबा ने कारोबारी से की ठगी,सीसीटीवी

भभूत लगाई, फिर 10 ग्राम सोना और नगदी लेकर फरार

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । झांसी में अघोरी के भेष में आए एक शख्स ने सर्राफा कारोबारी से करीब 1.67 लाख रुपए की ठगी कर ली। कारोबारी दुकान में अकेला बैठा था। तभी गले में फूलों की माला, माथे पर काला टीका और शरीर पर राख लगाए शख्स वहां पहुंचा। शख्स ने कारोबारी से पायल दिखाने को कहा। इसके बाद वह धीरे-धीरे कारोबारी के भविष्य और पुरानी घटनाओं के बारे में बताने लगा। बातचीत के दौरान उसने कारोबारी के माथे पर भभूत लगाई और उसे अपनी बातों में उलझाए रखा। बातचीत के दौरान कारोबारी ने उसे 10 ग्राम सोना और 50 हजार रुपए की गड्डी दी। शख्स ने गड्डी में से 17 हजार रुपए निकाल लिए और बाकी पैसे वापस कर दिए। इसके बाद सोना लेकर दुकान से फरार हो गया। घटना बुधवार दोपहर करीब 12 बजे मऊरानीपुर थाना क्षेत्र के सर्राफा बाजार की है। यहां गांधीगंज निवासी संतोष रायकवार की एएमजे ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। घटना का CCTV फुटेज गुरुवार को सामने आया। पीड़ित कारोबारी ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस CCTV फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान और तलाश में जुटी है। 6.22 मिनट के CCTV फुटेज में संतोष दुकान में बैठे नजर आ रहे हैं। सामने अघोरी बाबा मंत्र पढ़ रहा है। कुछ देर बाद संतोष गल्ले से एक पुड़िया निकालकर उसे देते हैं। कारोबारी के मुताबिक, उसमें 10 ग्राम सोना था।

अलर्ट : गोंडा में कक्षा 8 तक स्कूल बंद, आज यूपी के 58 जिलों में अलर्ट

लखनऊ-महाराजगंज समेत 10 शहरों में बारिश

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी/लखनऊ। यूपी में एक बार फिर मानसून एक्टिव हो गया है। गुरुवार सुबह लखनऊ, गोंडा, जौनपुर समेत 10 शहरों में बारिश हुई। गोंडा में 2 घंटे में 10 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके चलते डीएम ने 8वीं तक के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी।

दोपहर के बाद से लखनऊ में बूंदाबांदी हो रही है। ठंडी हवाएं चल रही हैं। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में दबाव का क्षेत्र बना है। इसका असर यूपी में दिख रहा है। इसके चलते प्रदेश में 3-4 दिनों तक मानसूनी बारिश होगी। इसके बाद पश्चिमी यूपी के रास्ते मानसून लौट जाएगा। इस मानसूनी सीजन में अब तक 680.3 मिमी बारिश हुई है, जो नॉर्मल 726.1 मिमी से 6% कम है। 14 जिलों में बारिश का कोटा आधा भी पूरा नहीं हो पाया है। सबसे कम बारिश देवरिया, कुशीनगर, शामली, गाजियाबाद और कानपुर देहात में हुई है। यहां कोटे से 75% तक कम बारिश हुई है। पीलीभीत में बुधवार देर रात हुई बारिश के बाद ललौरीखेड़ा इलाके में कई जगह पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आईं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में खड़ा पेड़ एक कार के ऊपर गिर गया, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। इसके अलावा ललौरीखेड़ा पुलिस चौकी परिसर में खड़ा पेड़ चौकी भवन के ऊपर जा गिरा। पेड़ गिरने से भवन को नुकसान पहुंचा। वाराणसी में गुरुवार सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए हुए हैं। रुक-रुककर बारिश हो रही है। बारिश के चलते तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है।

> **पेड़ गिरने के दौरान चौकी में मौजूद पुलिसकर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिसकर्मियों ने समय रहते बाहर भागकर अपनी जान बचाई। बारिश के बाद इलाके में पेड़ गिरने से कुछ समय के लिए स्थिति प्रभावित रही। हादसों में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।**

बलिया में रातभर रुक-रुककर बारिश, सुबह भी बूंदाबांदी

बलिया में कई दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों को बुधवार शाम बदले मौसम से राहत मिली। करीब साढ़े पांच बजे काले बादलों से अचानक अंधेरा छाया और तेज हवाएं चलने के करीब 15 मिनट बाद बारिश शुरू हो गई। देर शाम तक बारिश जारी रही और पूरी रात रुक-रुककर फुहारें पड़ती रहीं। गुरुवार सुबह भी बूंदाबांदी जारी रही। किसानों का कहना है कि बारिश का सिलसिला कुछ दिन और जारी रहा तो फसल को अच्छा फायदा मिलेगा। वहीं, लंबे अंतराल के बाद हुई बारिश ने किसानों को आगे भी अच्छी वर्षा की उम्मीद दी है।

महाराजगंज में गुरुवार सुबह 6 बजे से बारिश हो रही है। सड़कों पर पानी भर गया है।

सिर के ऊपर से गुजरा पहिया, गुस्साए परिजनों ने ढाई घंटे लगाया जाम

बस की टक्कर से ठेकेदार की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के शिवपुर थाना क्षेत्र के सिद्धिपुर में बुधवार शाम सड़क हादसे में बाइक सवार अनुज सिंह पटेल की मौत हो गई। शहर से घर लौटते समय संत अतुलानंद तिराहे के आगे बस ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी।

टक्कर से अनुज सड़क पर गिर गए। इसी दौरान बस का पिछला पहिया उनके सिर के ऊपर से गुजर गया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सड़क पर जाम लगा दिया। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सड़क किनारे से वाहनों को निकालना शुरू किया। बारिश के बावजूद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ बढ़ती गई। सिद्धिपुर गांव में सूचना पहुंचने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिवार के लोग वहां पहुंच गए। जाम करीब ढाई घंटे तक रहा। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात प्रभावित रहा। जाम की सूचना पर ACP कैंट प्रज्ञा पाठक मौके पर पहुंचीं। उन्होंने परिजनों और ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाया। पुलिस ने हादसे के आरोपी बस चालक को गिरफ्तार कर लिया। ACP ने परिवार को न्याय दिलाने और मुआवजे के संबंध में आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया। परिजनों के मुताबिक, अनुज बुधवार को काम के सिलसिले में शहर गए थे। शाम को बाइक से घर लौटते समय संत अतुलानंद तिराहे के आगे यह हादसा हो गया। अनुज ने MTech की पढ़ाई की थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह पिता अमरनाथ सिंह के साथ ठेकेदारी का काम कर रहे थे। उनके पिता मकान निर्माण का काम करते हैं। अनुज की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मां चंद्रवती देवी, पत्नी प्रियंका और उनके दो छोटे बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अनुज सिंह पटेल, मृतक

घर ढहाने में इस्तेमाल तीन जेसीबी सीज, पुलिस का दावा- जमीन कब्जाने के लिए बनाया था संगठित गिरोह

आठ गिरफ्तारी से खुलने लगी बरियावन बुलडोजर कांड की कड़ी

कार्रवाई

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के बरियावन बाजार में आधी रात तीन जेसीबी से घर और दुकानें ढहाने के मामले में पुलिस ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। पुलिस की तीन टीमों ने दबिश देकर आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया। घटना में इस्तेमाल तीन जेसीबी मशीनों को भी सीज कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, कीमती जमीन पर कब्जे के लिए लोगों में भय पैदा कर आठ घरों और आसपास के अन्य मकानों को ढहाया गया था। गिरफ्तार आरोपियों में रावीबहाउद्दीनपुर निवासी विशाल वर्मा, सकरा

पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी संगठित तरीके से काम कर रहे थे। आरोप है कि गिरोह के सदस्य गरीब और कमजोर लोगों की कीमती जमीन पर कब्जे का प्रयास करते थे। बरियावन की घटना को भी पुलिस इसी गतिविधि से जोड़कर जांच कर रही है।

युसुफपुर निवासी मोहम्मद साजिद, चंदनपारा निवासी बृजेश कुमार उर्फ बंटी वर्मा, आलमपुर धनौरा निवासी कृपा राम वर्मा, संजय वर्मा, पकड़ी भोजपुर निवासी दिलीप कुमार उर्फ गोलू, मयाबाजार छतरा निवासी सिकंदर यादव और समसुद्दीनपुर निवासी राजीव वर्मा उर्फ छठीराम शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक विशाल वर्मा 26, मोहम्मद साजिद 28, दिलीप कुमार उर्फ गोलू 24, सिकंदर यादव 19 और राजीव वर्मा उर्फ छठीराम 26 वर्ष के हैं। बृजेश कुमार की उम्र प्रेस रिलीज में स्पष्ट नहीं की गई है।

पुलिस के अनुसार विशाल वर्मा के खिलाफ अकबरपुर और इब्राहिमपुर थानों में मारपीट, गाली-गलौज और धमकी समेत कई मामले दर्ज हैं। वर्ष 2024 में उसके खिलाफ धोखाधड़ी, विश्वासघात और धमकी से संबंधित मामला दर्ज हुआ था। वर्ष 2025 में टांडा थाने और वर्ष 2026 में अकबरपुर थाने में भी उसके खिलाफ मामले दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। मोहम्मद साजिद के खिलाफ सम्मनपुर थाने में वर्ष 2026 में मारपीट और धमकी से संबंधित मामला दर्ज होने की बात पुलिस ने बताई है।

कृपा राम वर्मा के खिलाफ टांडा कोतवाली में वर्ष 2025 में मारपीट, धमकी और एससी-एसटी एक्ट से जुड़ा मामला दर्ज होने की जानकारी दी गई है। पुलिस के मुताबिक वर्ष 2003 में उसके खिलाफ नशीले पदार्थों से संबंधित एनडीपीएस एक्ट का मामला भी दर्ज हुआ था।

तीन जेसीबी लेकर पहुंचे थे आरोपी

पुलिस के अनुसार, बरियावन बाजार में रात के समय तीन जेसीबी लेकर पहुंचे लोगों ने कई घरों और दुकानों को गिरा दिया था। आसपास के लोगों को डराने-धमकाने का भी आरोप है। घटना के बाद मारपीट, धमकी, तोड़फोड़, जबरन कब्जे और संगठित अपराध से जुड़े आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया। जांच में सामने आए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन में तीन टीमें गठित की गई थीं।

पुलिस ने मौके पर इस्तेमाल तीनों जेसीबी को सीज कर दिया। इनमें UP 42 CT 2171, UP 45 AT 2108 और UP 45 AT 4723 शामिल हैं।

पैमाइश हुई, कब्जा नहीं हटा अब डीएम कार्यालय पहुंचेंगे ग्रामीण

चांडीपुर कला में देवस्थान और खेल मैदान की जमीन का मामला

- 32×64 मीटर क्षेत्र में अतिक्रमण मिलने का दावा एक सप्ताह बाद भी कार्रवाई का इंतजार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। चांडीपुर कला गांव में देवस्थान और खेल मैदान की जमीन पर कथित अतिक्रमण का मामला फिर गरमा गया है। खबर प्रकाशित होने के बाद तहसील प्रशासन ने मौके पर पैमाइश कराई थी। ग्रामीणों का दावा है कि पैमाइश में 32 मीटर × 64 मीटर क्षेत्र में कब्जा मिला। इसके बावजूद एक सप्ताह से अधिक समय बीतने के बाद भी कब्जा हटाने की कार्रवाई नहीं हुई है। इससे नाराज ग्रामीण अब जिलाधिकारी को ज्ञापन देने की तैयारी में हैं। ग्रामीणों के अनुसार, तहसील प्रशासन की ओर से क्षेत्रीय लेखपाल समेत दो सदस्यीय टीम मौके पर पहुंची थी। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि और ग्रामीणों की मौजूदगी में जमीन की नापजोख की गई। ग्रामीणों का कहना है कि पैमाइश में पूर्व से पश्चिम 32 मीटर और उत्तर से दक्षिण 64 मीटर क्षेत्र में अतिक्रमण सामने आया। ग्रामीणों के मुताबिक इस क्षेत्र के करीब 60 प्रतिशत हिस्से में पक्का निर्माण भी है।

देवस्थान और खेल मैदान के नाम दर्ज हैं गाटे

ग्रामीणों ने बताया कि राजस्व अभिलेखों में गाटा संख्या 551 का क्षेत्रफल 0.0630 हेक्टेयर है। इसे देवस्थान के रूप में दर्ज बताया गया है। वहीं गाटा संख्या 553 का क्षेत्रफल 0.0650 हेक्टेयर है और इसे खेल मैदान के रूप में दर्ज बताया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि इन जमीनों का लंबे समय से व्यावसायिक इस्तेमाल किया जा रहा है। उनका दावा है कि वर्ष 2002 से यहां ईंट-भट्ठे से जुड़ी गतिविधियां चल रही हैं।

फास्ट न्यूज

श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण, योजनाओं की भी दी जानकारी

टांडा (अंबेडकरनगर)। सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को श्रम विभाग की ओर से टांडा क्षेत्र में श्रमिक स्वास्थ्य परीक्षण और जागरूकता शिविर लगाए गए। मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड परिसर में आयोजित शिविर का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी वैभव मिश्रा ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रमिकों का ओपीडी और स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया।

12 ग्राम पंचायतों में मनाया बेटी दिवस

अंबेडकरनगर। जलालपुर ब्लॉक की 12 ग्राम पंचायतों में जनशिक्षण केंद्र और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में बेटी दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। भस्मा, गुआपाकड़, रुदौली माफी, रुदौली अदाई, आजानपारा, करमिसिरपुर, सलाहुद्दीनपुर, सेठकला, भदोई, टिकरी और खालिसपुर भटौली समेत ग्राम पंचायतों की सैकड़ों बालिकाओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, अधिकार और समान अवसर को लेकर परिवार व समुदाय को जागरूक करना रहा।

नौ मोटरसाइकिलों के साथ आरोपी गिरफ्तार

अंबेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे और निशानदेही से नौ मोटरसाइकिलें बरामद करने का दावा किया है। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस के मुताबिक आरोपी से पूछताछ और बरामद मोटरसाइकिलों की जांच की जा रही है। वाहनों के संबंध में यह पता लगाया जा रहा है कि वे किन स्थानों से चोरी किए गए थे। पुलिस रिकॉर्ड और संबंधित थानों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

शिक्षक एमएलसी चुनाव का बिगुल, 23 अक्तूबर को मतदान

29 सितंबर से नामांकन, छह अक्तूबर अंतिम तारीख

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद चुनाव का कार्यक्रम जारी हो गया है। चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही अंबेडकरनगर में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। मौजूदा सदस्य ध्रुव कुमार त्रिपाठी का कार्यकाल छह दिसंबर 2026 को समाप्त हो रहा है। इसके चलते सीट पर नए सिरे से निर्वाचन कराया जा रहा है।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 29 सितंबर को अधिसूचना जारी होने के साथ नामांकन शुरू होगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख छह अक्तूबर है। सात अक्तूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। प्रत्याशी नौ अक्तूबर तक नाम वापस ले सकेंगे।

नाम वापसी के बाद चुनाव मैदान में बचे प्रत्याशियों के लिए 23 अक्तूबर को मतदान होगा। मतदान

का समय सुबह आठ से शाम चार बजे तक निर्धारित किया गया है। इसके बाद 27 अक्तूबर को मतगणना होगी। पूरी निर्वाचन प्रक्रिया 31 अक्तूबर तक पूरी कराई जानी है। जिले में फिलहाल 2833 मतदाता दर्ज हैं। मतदाता सूची में सुधार की प्रक्रिया अभी चल रही है। इसके बाद मतदाताओं की संख्या में बदलाव हो सकता है। निर्वाचन कार्यक्रम के साथ ही जिले में आचार संहिता प्रभावी हो गई है। चुनाव से जुड़े कार्य अब निर्धारित कार्यक्रम और निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार होंगे।

‘रुपये नहीं दिए तो कमरे में बंद कर पीटा’ जलालपुर पुलिस पर युवक का आरोप

बच्चों के विवाद की सूचना पर पहुंची पीआरबी युवक को ले गई थी थाने

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जलालपुर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक ने पुलिसकर्मियों पर उसे कमरे में बंद कर लाठी-डंडे से पीटने का आरोप लगाया है। युवक का कहना है कि बच्चों के विवाद की सूचना पर पहुंची पीआरबी उसे थाने ले जा रही थी। रास्ते में दो पुलिसकर्मियों ने मामला रफा-दफा करने के नाम पर रुपये मांगे। रुपये देने से इनकार करने पर उसे थाने ले जाकर एक कमरे में बंद कर दिया गया। युवक के मुताबिक वहां उसकी पिटाई की गई। बाद में पुलिस ने उसका शांति भंग की धाराओं में चालान कर दिया।

जीवत खुर्रम अली (मधईपुर) निवासी संदीप यादव के मुताबिक 22 सितंबर को बच्चों के विवाद में कुछ लोगों से उसका झगड़ा हुआ था। घटना की सूचना पीआरबी को

दी गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे थाने ले जा रही थी।

संदीप का आरोप है कि अशरफपुर मजगवां के पास जलालपुर थाने में तैनात उपनिरीक्षक दिलेश सरोज और सिपाही सौरभ ने उसे पुलिस वाहन में बैठा लिया। इसी दौरान उससे मामले को खत्म करने के नाम पर रुपये मांगे गए।

घटना के बाद संदीप और उसके परिवार ने पुलिस कार्रवाई को लेकर डर जताया है। परिवार का कहना है कि पुलिस के खिलाफ शिकायत करने में भी उन्हें आशंका है। हालांकि पुलिसकर्मियों पर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है।

रुपये देने से इनकार पर थाने में पिटाई का आरोप

पीड़ित के मुताबिक रुपये देने से इनकार करने पर पुलिसकर्मी नाराज हो गए। इसके बाद उसे थाने ले जाया गया। आरोप है कि वहां एक कमरे में बंद कर उसके शरीर के पिछले हिस्से पर लाठी-डंडे से पिटाई की गई।

संदीप का दावा है कि मारपीट के बाद शरीर का पिछला हिस्सा लाल पड़ गया था। इसके बाद उसका शांति भंग की धाराओं में चालान कर दिया गया।

फरियादियों की बात सुनी, फिर अधिकारियों से मांगा जवाब

पुलिस कार्यालय में एसपी की जनसुनवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पुलिस कार्यालय में गुरुवार को जनसुनवाई के दौरान एसपी प्राची सिंह ने जिलेभर से आए फरियादियों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने एक-एक मामले की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली। शिकायतों की वर्तमान स्थिति पूछी और नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में आए फरियादियों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें एसपी के सामने रखीं। एसपी ने संबंधित अधिकारियों से उनके प्रकरण की जानकारी ली। इसके बाद शिकायतों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण होना चाहिए। मामले की जांच के दौरान

तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

एसपी ने अधिकारियों को फरियादियों की शिकायतों के प्रति संवेदनशील रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने के बाद उसके निस्तारण में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। संबंधित अधिकारी कार्रवाई की प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ पूरा करें।

जनसुनवाई के दौरान पुलिस कार्यालय में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादी मौजूद रहे।

2026-27 की कार्ययोजना को लेकर सीडीओ ने बीडीओ और क्षेत्र पंचायत प्रशासकों को दिए निर्देश

कायाकल्प और गोशाला के काम पहले, फिर दूसरे विकास कार्य

- राज्य और केंद्रीय वित्त की योजना अलग-अलग
- लापरवाही पर सीडीओ ने जताई सख्ती

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। वित्तीय वर्ष 2026-27 की विकास कार्ययोजना में अब शासन की प्राथमिकता वाले काम पहले शामिल किए जाएंगे। कायाकल्प, बाउंड्रीवॉल निर्माण और गोशाला से जुड़े कार्यों को पहली प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। गुरुवार को मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में खंड विकास अधिकारियों और क्षेत्र पंचायत प्रशासकों के साथ कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में राज्य वित्त आयोग और

बाउंड्रीवॉल निर्माण भी प्राथमिकता में

केंद्रीय वित्त आयोग से मिलने वाली धनराशि से कराए जाने वाले कार्यों की कार्ययोजना अलग-अलग तैयार करने के निर्देश दिए गए। दोनों योजनाओं में शासनादेश में दिए गए प्रावधानों का पालन करना होगा।

अधिकारियों को कार्ययोजना तैयार करते समय निर्धारित मानकों और दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। विकास कार्यों के क्रियान्वयन में भी इसी प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी ने कार्ययोजना तैयार करने और विकास कार्यों के क्रियान्वयन में लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों को कार्यों की योजना से लेकर उनके क्रियान्वयन तक निर्धारित प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में जिला विकास अधिकारी सबिता सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी उपेंद्र कुमार पांडेय, क्षेत्र पंचायत प्रशासक, खंड विकास अधिकारी और संबंधित अवर अभियंता मौजूद रहे।

पहले तय होंगे प्राथमिकता वाले काम

मुख्य विकास अधिकारी ने शासनादेश के अनुसार कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों को कार्ययोजना में पहले स्थान दिया जाए। इसके बाद अन्य विकास कार्यों को शामिल किया जाए। कायाकल्प के तहत होने वाले कार्यों के साथ बाउंड्रीवॉल निर्माण और गोशाला से जुड़े कामों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुसार कार्य कराने को कहा गया।

जलभराव से जूझते अकबरपुर को मिलेगी निकासी की नई राह

पांच स्थानों पर नाला और सीसी रोड के लिए 1.12 करोड़ मंजूर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बारिश के दिनों में जलभराव की समस्या से जूझने वाले अकबरपुर शहर के लिए नाला और सड़क निर्माण की योजना आगे बढ़ी है। नगर पालिका परिषद की कार्ययोजना को शासन से 112.95 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति मिली है। पहली किस्त के रूप में 50 लाख रुपये जारी कर दिए गए हैं। अब टेंडर प्रक्रिया के बाद निर्माण शुरू कराने की तैयारी है।

नगर पालिका की ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना के तहत नाला निर्माण का प्रस्ताव भेजा गया था। योजना में पार्क रोड से इकबाल खां के मकान-मस्जिद तक नाला बनाया जाएगा।

इसके अलावा मुन्नीलाल गौतम के घर से राकेश यादव के घर तक

और रामअशीष के घर से रंजीत यादव के मकान तक नाला निर्माण प्रस्तावित है। एक अन्य स्थान पर भी नाला बनाया जाएगा।

नगर पालिका के मुताबिक इन कार्यों से संबंधित क्षेत्रों में पानी की निकासी बेहतर करने में मदद मिलेगी। बारिश के दौरान जलभराव की समस्या कम करने के लिए नाला निर्माण को प्राथमिकता दी गई है।

कार्ययोजना में नाला निर्माण के साथ सीसी रोड का निर्माण भी शामिल है। इससे संबंधित मार्गों पर आवागमन बेहतर करने का लक्ष्य है। सड़क निर्माण होने से स्थानीय लोगों को आने-जाने में सुविधा मिलेगी।

शासन से स्वीकृत 112.95 लाख रुपये के सापेक्ष पहली किस्त के रूप में 50 लाख रुपये नगर पालिका को मिल चुके हैं। अब टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

नगर पालिका परिषद अकबरपुर के ईओ राजमणि वर्मा ने बताया कि जल निकासी और मार्गों को दुरुस्त करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया था। वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद पहली किस्त जारी हो चुकी है। टेंडर प्रक्रिया के बाद निर्माण शुरू कराया जाएगा।

शहरों की सफाई पर डीएम सख्त, रोज उठेगा कूड़ा

नगर निकायों की समीक्षा बैठक में ईशा प्रिया के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नगर निकायों में सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों को लेकर जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में जिले की सभी नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों के विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। डीएम ने कूड़े का नियमित उठान और सार्वजनिक स्थलों की सफाई सुनिश्चित करने को कहा।

डीएम ने नगर निकायवार विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्यों को समय से पूरा कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नगर निकायों में सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। कूड़े का नियमित उठान हो। सार्वजनिक स्थलों और प्रमुख मार्गों पर सफाई बेहतर रखी जाए।

कहीं भी कचरा जमा न होने पाए।

सामुदायिक शौचालयों की साफ-सफाई और सुविधाओं पर भी विशेष जोर दिया गया। डीएम ने नियमित सफाई कराने और शौचालयों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम लोगों को स्वच्छ और बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए। डीएम ने नगर पालिका और नगर पंचायतों के अध्यक्षों से अपने क्षेत्रों का स्वयं निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने सफाई व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं की स्थिति देखने के बाद जरूरी सुधार कराने के निर्देश दिए।

कटाक्ष : अखिलेश की रायबरेली पीडीए रथयात्रा पर अकबरपुर में ओपी राजभर का हमला

‘विजय भव’ वाले रथ पर कुछ दिन बाद लिखा होगा ‘विनाश भव’: राजभर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की रायबरेली से शुरू हुई पीडीए रथयात्रा को लेकर प्रदेश सरकार के मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने गुरुवार को अकबरपुर में निशाना साधा। सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में राजभर ने अखिलेश यादव के रथ पर लिखे ‘27 विजय भव’ संदेश पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कुछ दिन बाद इसी रथ पर ‘विजय भव’ की जगह ‘विनाश भव’ लिखा जाएगा।

राजभर ने अखिलेश यादव के रथ पर लगे हनुमान के चित्र का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हनुमान भगवान राम के भक्त हैं। इसके बाद उन्होंने अखिलेश यादव के अयोध्या

दौरे और राम दर्शन को लेकर सवाल उठाया।

राजभर ने कहा कि जब अखिलेश यादव अयोध्या जाकर भगवान राम के दर्शन नहीं कर रहे हैं तो रथ पर हनुमान का चित्र लगाने का क्या अर्थ है। उन्होंने इसी संदर्भ में कहा कि राम के दर्शन के बिना हनुमान का आशीर्वाद कैसे मिलेगा। सपा की पीडीए रथयात्रा गुरुवार को रायबरेली से शुरू हुई। अखिलेश यादव ने बछरावां से रथ पर सवार होकर यात्रा की और रायबरेली में पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया। रथयात्रा को 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

राजभर की टिप्पणी इसी राजनीतिक अभियान के बीच सामने आई है। उनके बयान में अखिलेश यादव की रथयात्रा, रथ पर लिखे संदेश और हनुमान के चित्र को लेकर सीधे राजनीतिक निशाना साधा गया।

‘रायबरेली में कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने गए हैं अखिलेश’

राजभर ने अखिलेश यादव के रायबरेली दौरे को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अखिलेश वहां सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने गए हैं। उन्होंने हाल में सपा नेताओं और पुलिस के बीच हुए विवाद का उल्लेख करते हुए अखिलेश के दौरे पर टिप्पणी की।

अखिलेश यादव ने गुरुवार को रायबरेली से पीडीए रथयात्रा शुरू की। यह यात्रा 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सपा के राजनीतिक अभियान का हिस्सा है।

कूड़ा पहचानते ही सही डिब्बे में डाला छात्रों ने सीखा स्वच्छता का पाठ

स्वच्छ पाठशाला अभियान में चार डस्टबिन की उपयोगिता समझी

तमसा संकेत, संवाददाता

अकबरपुर (अंबेडकरनगर)। स्वच्छता ही सेवा-2026 महाभियान के तहत गुरुवार को नगर पालिका परिषद अकबरपुर ने तमसा मार्ग स्थित डॉ. ए.के. पब्लिक स्कूल में ‘स्वच्छ पाठशाला-युवा फॉर स्वच्छता’ कार्यक्रम आयोजित किया। विद्यार्थियों को कचरा पृथक्कीकरण और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान बच्चों ने कचरे की पहचान कर उसे निर्धारित डस्टबिन में डालने का अभ्यास भी किया।

कार्यक्रम में स्रोत पर ही कचरा अलग करने के महत्व की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को चार डस्टबिन के इस्तेमाल के बारे में बताया गया। हरे डिब्बे में गीला कचरा, नीले में सूखा कचरा, लाल में स्वास्थ्य संबंधी अपशिष्ट और काले डिब्बे में विशेष देखभाल वाले अपशिष्ट रखने की जानकारी दी गई। बच्चों

को फल-सब्जियों के छिलके, बचा भोजन और बगीचे के कचरे को गीले कचरे में रखने को बताया गया। कागज, प्लास्टिक, कांच, धातु और गत्ते को सूखे कचरे के रूप में अलग करने की जानकारी दी गई। इस्तेमाल किए गए मास्क, दस्ताने, नैपकिन, डायपर और पैड को लाल डिब्बे में रखने को कहा गया। रसायन, पेंट, बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक कचरा और सिरिंज जैसे अपशिष्ट के लिए काले डिब्बे की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के बीच कचरा पहचान प्रतियोगिता कराई गई। इसमें टीम अनुष्का, टीम सरस्वती और टीम अनवर ने हिस्सा लिया।

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री की चिंतन बैठक

प्रधानमंत्री की ओर से अपनी मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यों के साथ दो दिवसीय चिंतन बैठक यह रेखांकित कर रही है कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श होने जा रहा है। इनमें से एक विकसित भारत के लिए आवश्यक कदमों पर अमल करना और सुधारों को आगे बढ़ाना है। इस बैठक में योजनाओं की प्रगति, नीतियों के क्रियान्वयन और मंत्रालयों के बीच तालमेल जैसे विषयों पर भी चर्चा संभावित है।

जो भी हो, सरकार के कामकाज को और प्रभावी बनाना समय की मांग है। इसके लिए नौकरशाही को अपना रुख-रवैया बदलना होगा। इससे इनकार नहीं कि मोदी सरकार की ओर से विकास और जनकल्याण संबंधी अनेक कार्य किए जा रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि इन कार्यों की गति और गुणवत्ता बढ़ाने की आवश्यकता है। इस आवश्यकता की पूर्ति करके ही 2047 तक देश को विकसित बनाने के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इस लक्ष्य को आसान बनाने के लिए यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि सरकार एक साथ कई मोर्चों पर गंभीरता से ध्यान दे। इनमें एक मोर्चा है शहरों की सूरत संवारने का। चूंकि शहर आर्थिक विकास के इंजन हैं, इसलिए उनके ढांचे में सुधार के साथ नागरिक सुविधाओं में बेहतरी समय की मांग है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि समृद्धि बढ़ने के साथ एक ऐसा वर्ग उभर आया है, जिसे सब कुछ गुणवत्तापूर्ण चाहिए। इनमें नागरिक सुविधाओं से लेकर उपभोक्ता सामग्री एवं आमोद-प्रमोद के साधन भी शामिल हैं। ध्यान रहे कि देशों का वैभव उनके शहरों से भी प्रकट होता है। शहरों को साधन संपन्न बनाने का काम प्रमुखता से होना चाहिए, ताकि वे तनाव मुक्त जीवन का जरिया बन सकें। शहरों की सूरत संवारने के साथ ही सरकार को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सेहत सुधारने पर भी विशेष ध्यान देना होगा। यह ठीक नहीं कि तमाम प्रयासों के बाद भी कृषि की उत्पादकता बढ़ने का नाम नहीं ले रही है। इसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है। एक अन्य मोर्चा शिक्षा का है। यह ठीक है कि नई शिक्षा नीति पर अमल हो रहा है, लेकिन सभी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना अभी भी एक चुनौती बना हुआ है। ऐसी ही चुनौती युवाओं को उपयुक्त कौशल से लैस करने की भी है। हमारे युवा डिग्री तो हासिल कर ले रहे हैं, लेकिन वे किसी कौशल से लैस नहीं हो पा रहे हैं। इस समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए, क्योंकि इससे ही रोजगार की चुनौती का सामना करने में मदद मिलेगी। किसी भी सरकार का लक्ष्य लोगों की समस्याओं का समाधान करना और जीवन को आसान बनाना होता है। इस लक्ष्य की प्राप्ति तब आसानी से होती है, जब नियम-कानूनों का सही से पालन होता है।

66 भारत की अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ यह जिम्मेदारी भी बढ़ती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही और 2026-27 की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रही।

अंत्योदय : विकसित भारत की मानवीय आधारशिला

भारत की विकास यात्रा आज ऐसे दौर में है, जब आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक रैंकिंग से तय नहीं होती। उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रासंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। इसलिए अंत्योदय दिवस केवल किसी महापुरुष की स्मृति का दिवस नहीं, बल्कि विकास की दिशा और उसकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है। 'अंत्योदय' दो शब्दों से बना है-'अंत्य' अर्थात सबसे अंतिम और 'उदय' अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे। दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा-सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय को महज कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले जाकर मानव-केंद्रित विकास-दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है कि भारत विकास कर रहा है या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस गहराई से और किस अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है। भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीति-निर्माण में 'समावेशी मानव विकास' को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अंत्योदय की आवश्यकता पहले से कम नहीं, बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा, उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उतना ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो। नए रोजगार जितने पैदा होंगे, उतनी ही आवश्यकता होगी कि गरीब और ग्रामीण युवा उनके लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े करोड़ों श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह रेखांकित किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

इस दृष्टि से अंत्योदय का नया अर्थ 'सहायता से सशक्तिकरण' होना चाहिए। गरीब को केवल अनुदान नहीं, अवसर मिले। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर उत्पादकता और बाजार मिले। श्रमिक को केवल रोजगार नहीं, कौशल और सामाजिक सुरक्षा मिले। महिला को केवल कल्याणकारी योजना नहीं, शिक्षा, संपत्ति, उद्यमिता और निर्णय-क्षमता में भागीदारी मिले। ग्रामीण युवा को केवल नौकरी की तलाश में शहर की ओर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उसके गांव और कस्बे में ही कौशल, डिजिटल सुविधा और उद्यम का वातावरण बने। यही अंत्योदय का आधुनिक स्वरूप हो सकता है-व्यक्ति को लाभार्थी से भागीदार बनाना। 2014 में शुरू हुई दीनदयाल अंत्योदय योजना ने ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए आजीविका तथा कौशल-विकास को महत्व दिया था। सरकार ने उस समय ग्रामीण एवं शहरी गरीबों के उत्थान के लिए कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को विस्तार देने की बात कही थी। आज आवश्यकता इस सोच को और व्यापक बनाने की है। अंत्योदय को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल, आवास, पोषण, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और सामाजिक सुरक्षा के बीच एक समन्वित दृष्टिकोण बनाना होगा। भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी सार्वजनिक नीति और आर्थिक विमर्श में प्रमुखता से व्यक्त किया गया है, 2026 के केंद्रीय बजट पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया में भी यह लक्ष्य दोहराया गया। लेकिन आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा तभी व्यापक अर्थों में सफल होगी, जब आर्थिक शक्ति का सामाजिक आधार भी उतना ही मजबूत हो। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा केवल विश्व को ज्ञान देने से पूरी नहीं होगी, अपने समाज के अंतिम व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन देने से भी उसकी परीक्षा होगी। भारत की प्राचीन चेतना में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' जैसे विचार रहे हैं। अंत्योदय इसी मानवीय परंपरा का आधुनिक सामाजिक-आर्थिक रूप माना जा सकता है। यह कहता है कि राष्ट्र की समृद्धि का अर्थ केवल कुछ लोगों की समृद्धि नहीं, बल्कि समूचे समाज की उन्नति है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को जीवंत रखने का सबसे सार्थक तरीका केवल उनके चित्र पर माल्यार्पण करना नहीं, बल्कि उनके विचार के मानवीय पक्ष को व्यवहार में उतारना है। उनका जीवन सादगी, संगठन, राष्ट्रसेवा और वैचारिक प्रतिबद्धता से जुड़ा रहा। उनका अंत्योदय दर्शन आने वाली पीढ़ियों को यह प्रश्न पूछने की प्रेरणा देता है कि हमारे विकास का अंतिम लाभार्थी कौन है और क्या वह वास्तव में विकास की मुख्यधारा में आ पाया है? 2047 का विकसित भारत केवल सरकार के प्रयासों से नहीं बनेगा। इसके लिए शासन, समाज, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों और नागरिकों-सभी की भागीदारी आवश्यक होगी। गांवों में स्थानीय उद्यमिता बढ़ानी होगी, युवाओं को कौशल देना होगा, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारनी होगी, स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना होगा और सरकारी योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और नई तकनीकें इस पहुंच को तेज कर सकती हैं, 2026 में नीति आयोग की डीपीआई-2047 रूपरेखा ने भी डिजिटल अवसंरचना को समावेशी और उत्पादकता-आधारित विकास से जोड़ा है।

ललित गर्ग

49 किलोग्राम वर्ग...

कुमार कृष्णन

मीराबाई ने उठाया भारत का सपना

भार उठाने वाले खिलाड़ी के कंधों पर केवल लोहे का वजन नहीं होता। उसके साथ वर्षों की मेहनत, असफलताओं की स्मृतियां, चोटों का दर्द और देश की उम्मीदें भी होती हैं। मीराबाई चानू ने जब एशियाई खेलों में 198 किलो वजन उठाकर रजत पदक हासिल किया, तो उन्होंने केवल एक पदक नहीं उठाया। उन्होंने भारतीय भारोत्तोलन के 28 साल पुराने इंतजार को भी अपने कंधों पर उठाया और उसे पोडियम तक पहुंचा दिया।

49 किलोग्राम वर्ग में मीराबाई ने स्नैच में 87 किलो और क्लीन एंड जर्क में 111 किलो उठाकर कुल 198 किलो का भार दर्ज किया। यह एशियाई खेलों में उनका पहला पदक है। 1998 के बैंकॉक एशियाई खेलों में कर्णम मल्लेश्वरी के रजत पदक के बाद भारतीय भारोत्तोलन को एशियाई खेलों में पदक के लिए 28 साल इंतजार करना पड़ा। मीराबाई के रजत ने इस लंबे इंतजार को खत्म किया।

2014 के एशियाई खेलों में मीराबाई नौवें स्थान पर रही थीं। 2018 में चोट के कारण वह एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले सकीं। 2023 के हांगझोऊ एशियाई खेलों में वह पदक के बेहद करीब पहुंचकर चौथे स्थान पर रह गईं। जांघ की चोट ने उनके क्लीन एंड जर्क के प्रयासों को प्रभावित किया। जिस मंच पर पदक पाने का सपना था, उसी मंच ने उन्हें बार-बार परीक्षा में डाला लेकिन उन्होंने हार को अपनी पहचान नहीं बनने दिया। 2016 का रियो ओलंपिक उनके लिए बेहद कठिन रहा, जहां वह कोई वैध लिफ्ट दर्ज नहीं कर सकीं। खेल की दुनिया में ऐसे क्षण खिलाड़ी के लिए बहुत भारी होते हैं। वर्षों की मेहनत कुछ सेकंड में असफल दिखाई दे सकती है। लेकिन असफलता वहीं खत्म हो जाना नहीं है। वह अगली कोशिश की शुरुआत भी हो सकती है। मीराबाई ने इसे साबित किया। उन्होंने वापसी की, विश्व चैंपियन बनीं और टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता। राष्ट्रमंडल खेलों में भी उन्होंने लगातार सफलता हासिल की। उनके पास ओलंपिक रजत, विश्व चैंपियनशिप का खिताब और राष्ट्रमंडल खेलों के कई स्वर्ण पदक हैं। फिर भी एक सपना बाकी था।एशियाई खेलों का पदक। यही खेल की खूबसूरती भी है और उसकी कठोरता भी। उपलब्धियों की लंबी सूची के बावजूद खिलाड़ी के भीतर कोई एक अधूरा सपना बचा रह सकता है। मीराबाई के लिए वह सपना इस बार पूरा हुआ। इसलिए उनका रजत केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है। यह भारतीय भारोत्तोलन के लिए भी एक महत्वपूर्ण क्षण है। 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी के रजत के बाद भारत को एशियाई खेलों में भारोत्तोलन का अगला पदक पाने में 28 साल लग गए। 28 साल यानी लगभग एक पूरी खेल पीढ़ी।

भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है। मेहनत करने वाले खिलाड़ी भी कम नहीं हैं। फिर ऐसा क्यों हुआ कि एक खेल, जिसमें भारत ने ओलंपिक और विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई, एशियाई खेलों में लगातार पदक से दूर रहा? क्या समस्या प्रतिभा खोजने में थी? प्रशिक्षण व्यवस्था में? आधुनिक खेल विज्ञान की कमी में? चोटों के प्रबंधन में? या फिर उस निरंतर व्यवस्था में, जो खिलाड़ी को शुरुआती स्तर से अंतर-राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाती है?इन सवालों का उत्तर केवल मीराबाई के पदक में नहीं मिलेगा। हमारी आदत है कि खिलाड़ी जीतता है तो हम उसे राष्ट्र का गौरव कहते हैं। पदक आता है तो बधाइयों की बाढ़ आ जाती है। कैमरे खिलाड़ी के घर पहुंचते हैं। सम्मान समारोह होते हैं। लेकिन राष्ट्र का गौरव केवल पोडियम पर खड़े होने के दिन क्यों याद आता है? जब खिलाड़ी सुबह अंधेरे में उठकर अभ्यास करता है, जब उसका शरीर चोट से जूझता है, जब प्रतियोगिता में असफलता मिलती है, जब उसे अपने खान-पान और जीवनशैली पर कठोर नियंत्रण रखना पड़ता है—तब उसके साथ कौन खड़ा होता है?

आंकड़ों से बाहर निकलकर देखें तो यह कहानी और बड़ी दिखाई देती है

पोडियम पर पहुंचने के बाद मीराबाई ने कहा—आखिरकार उन्होंने वह पदक जीत लिया, जिसका वह कई वर्षों से इंतजार कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जब से उन्होंने भारोत्तोलन शुरू किया था, तभी से एशियाई खेलों में पदक जीतना उनका सपना था। सपना पूरा हुआ तो खुशी के आंसू आंखों तक आ गए। वह रोना चाहती थीं, लेकिन खुद को संभाल लिया। जिस पदक का इंतजार वर्षों से था, उसके सामने खड़े होकर भावुक होना स्वाभाविक था।

किसी खिलाड़ी की सफलता को केवल पदक और आंकड़ों में देखना उसके संघर्ष को छोटा कर देना है। मीराबाई की कहानी 198 किलो से बहुत आगे जाती है। इसमें असफलता है, चोट है, वापसी है और बार-बार खुद को साबित करने का धैर्य है।

ममता बनर्जी ...

रामस्वरूप रावतसरे

क्या अब उद्धव-ममता के बाद राहुल गांधी और केजरीवाल की बारी है ?

ममता बनर्जी की पार्टी का जो हाल हुआ है, उससे इंडी वाले तिलमिला रहे हैं। ममता बनर्जी की पार्टी का नाम, सिंबल सब चला गया। नंदीग्राम उपचुनाव का कैंडिडेट भी नहीं ठहर पाया। ममता बनर्जी की राजनीति का फुल पैकअप दिख रहा है। ममता बनर्जी का वैसा ही हाल दिख रहा है जैसा उद्धव ठाकरे का हुआ था। इंडी में ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे ये वो नेता थे जो आए दिन कहते रहते थे कि नरेंद्र मोदी को आज कुर्सी से गिरा देंगे, कल जमीन दिखा देंगे लेकिन मोदी और भाजपा का तो कुद नहीं हुआ इनकी खुद की राजनीति निपट गई है। इसी तरह की बातें राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल भी करते रहे हैं। विश्लेषकों के अनुसार लगता है अब राहुल और केजरीवाल का नंबर है क्योंकि एक तरफ यूपी चुनाव आने वाले हैं जहां राहुल का सबसे बड़ा टेस्ट है और दूसरी तरफ पंजाब का चुनाव है जहां केजरीवाल का टेस्ट है। जानकारों के अनुसार जून 2026 में पश्चिम बंगाल से दिल्ली तक एक खबर ने विपक्ष की सियासत का गणित हिला दिया। तृणमूल कांग्रेस के करीब 20 लोकसभा सांसदों ने पार्टी से अलग रुख अपनाया और एनडीए को समर्थन देने की बात कही। शुरुआत में इन सांसदों की तरफ से लोकसभा स्पीकर को अपने नए राजनीतिक रुख की जानकारी देने की बात सामने आई थी, यानी सवाल सिर्फ इतना नहीं था कि कौन किसके साथ जा रहा है लेकिन बंगाल में उपचनाव से पहले पूरी कहानी ही पलट गई है।

अब तो सवाल उठ रहे हैं कि टीएमसी का नाम और निशान बचेगा भी या नहीं? और क्या जिस तरह बंगाल में पार्टी हारी, उसी तरह टीएमसी अपना अस्तित्व भी खो देगी? बंगाल चुनाव से पहले जो ममता बनर्जी केंद्र से भाजपा को उखाड़ फेंकने की बात कर रही थी अब सवाल है कि ममता के पास दिल्ली में उनके लिए आवाज देने वाले कितने बचेंगे? यानी ममता बनर्जी की पार्टी में टूट की कहानी अभी किसी एक मंजिल पर जाकर रुकी नहीं है, लेकिन इसका मतलब ये भी नहीं कि बंगाल में ममता की पूरी सियासत खत्म हो गई। वो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री रही हैं। विपक्ष की दिल्ली की राजनीति की स्पॉट लाइट रहीं। उधर टीएमसी में बंटवारे का मामला सामने आने के बाद ममता बनर्जी गुट सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। विवाद के केंद्र में टीएमसी का नाम और उसका चुनाव चिह्न है। चुनाव आयोग ने 6 अक्टूबर को होने वाले उपचुनावों से पहले इन पर रोक लगा दी है।

ममता बनर्जी गुट ने सुप्रीम कोर्ट में नाम और निशान बचाने के लिए दो याचिका दायर की है। पहली याचिका में चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें उनके गुट को एआई-टीएमसी नाम और असली चुनाव चिन्ह देने से इनकार किया गया। दूसरी याचिका में पश्चिम बंगाल विधानसभा के स्पीकर और 10 बागी विधायकों को अयोग्य ठहरने की याचिकाओं पर फैसला लेने में हो रही देरी से जुड़ी है।

इसलिए असली सवाल है कि क्या बंगाल से टीएमसी की विदाई के साथ उसकी राष्ट्रीय ताकत भी कमजोर हो गई है? और अगर हुई तो क्या ये विपक्ष के बिखरने के सबसे बड़ी पहली तस्वीर है? क्योंकि डीएमके की कनिमोझी एक के बाद एक क्षेत्रीय नेताओं से मुलाकात कर रही हैं।

जैन धर्म में अर्थ सुख का आधार ?

अर्थ आदमी की मूलभूत सुविधाओं में उपयोगी हो सकता है लेकिन अर्थ सुख का आधार कभी नहीं हो सकता है । यह भी माना की गृहस्थ के अर्थ के बिना कुछ काम नहीं होता है परन्तु यह सुख का आधार है ही यह भ्रांति गलत है । अर्थ तो मनुष्य जीवन में उपयोगी हो सकता है वो भी बाहरी तरिके से लेकिन भीतर में यह सुख नहीं देता है । अगर अर्थ ही सुख का आधार होता तो भगवान महावीर और न जाने कितने - कितने सन्तो ऋषि मुनियो ने संसार को छोड़ कर संयम का मार्ग नहीं अपनाते । हर आदमी सुख चाहता है। कोई भी दुःख नहीं चाहते ।सुख को पाने के लिए खोजता है कोई न कोई रह कोई रास्ता। भोग की सामग्री का आविष्कार है सबसे बड़ा रास्ता। साथ में अनिवार्य आवश्यकता की पूर्ति के लिए किया गया पदार्थों का निर्माण। ज्यों -ज्यों बढ़ा निर्माण इच्छाएं बढ़ती गई बेहिसाब। बदल गया पूरा दृष्टिकोण। इच्छा पूर्ति के लिए किया जाने लगा निर्माण। सीमित इच्छा सीमित आवश्यकता और सीमित पदार्थ है मानसिक शांति का आधार। पर अर्थ से शास्त्रीय दृष्टिकोण से जन मानस हो गया प्रभावित। हमारा भौतिक संसाधनों पर ही जीवन हो गया आधारित। ज्यों - ज्यों फंसते जा रहे हम इस मायावी जाल में। त्यों - त्यों धंसता जाता अशांति के बबाल में। सुख बन जाता सिर्फ और सिर्फ़ सपना मात्र। व्यक्ति बन जाता दया का पात्र।यह है इच्छाओं का खेल। सुख के विपरीत जीवन का शर्तिया दुःख से है गाढ़ा मेल।व्यक्ति दिखाता है अपने आपको खुश अतिरिक्त । पर अंदर से है वह खोखला और रिक्त। अतः आवश्यकता आकांक्षा एक नहीं है।यह समझें हम यह बात सही है। एक समय था कि व्यक्ति अतिमितव्यता में भी अपने परिवार का लालन-पालन बड़े प्रेम से आराम से कर लेता था और अपनी आमदनी में से कुछ पैसे बचा कर अपने बच्चों के लिये गहने और जायदाद आदि भी जोड़ लेता था।वो समय था सादा जीवन उच्च विचार का । इंसान बहुत सुखी और खुशहाल था।बड़ा और भरा पुरा परिवार होने के बावजूद मन में किसी चीज़ की कमी नहीं लगती थी।बड़ों के प्रति आदर और पारिवारिक सदस्यों में बहुत प्रेम भी था।अब जमाना तो बदला ही पर साथ में इंसान का सोच का तरीक़ा भी बदल गया।

> प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

भारत में बैंककर्मी ...

डॉ. शैलेश शुक्ला

पाँच दिन के कार्य सप्ताह के लिए पाँच दिन बैंक रहेंगे बंद

देश के सरकारी बैंकों में 26 से 30 सितंबर तक लगातार पाँच दिन शाखा सेवाएँ प्रभावित रहने की स्थिति बन रही है। 26 सितंबर को चौथा शनिवार है, 27 को रविवार है और 28, 29, 30 सितंबर को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने तीन दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का नोटिस दिया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एडवाइजरी में कहा है कि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने 28 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक हड़ताल प्रस्तावित की है और ग्राहक जरूरी लेनदेन पहले निपटा लें। इंडियन बैंक और यूनियन बैंक ने भी इसी तरह सूचना दी है। यह हड़ताल 11 सितंबर की एक दिन की हड़ताल के बाद हो रही है और 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी भी दी गई है।

यह तारीख बहुत संवेदनशील है। 30 सितंबर बैंकों का अर्धवार्षिक समापन है। इस दिन छह महीने का हिसाब मिलान, प्रावधान, ट्रेजरी और मार्केट ऑपरेशन पूरे होते हैं। वित्त मंत्रालय ने 22 सितंबर को अपील जारी कर कहा कि 28 से 30 की हड़ताल और उससे पहले के सप्ताहांत को मिलाकर प्रभावी रूप से पाँच दिन बैंक सेवाएँ बंद रहेंगी और इससे ग्राहकों, कारोबारियों, सरकारी भुगतान और अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में असुविधा होगी। मंत्रालय ने इसे वित्तीय कैलेंडर के लिए विशेष रूप से संवेदनशील बिंदु बताया है।

बातचीत क्यों टूटी। उप मुख्य श्रम आयुक्त ने 22 सितंबर को नई दिल्ली में सुलह बैठक बुलाई। इंडियन बैंक्स एसोसिएशन और वित्तीय सेवा विभाग ने कहा कि पाँच दिन के बैंकिंग सप्ताह की माँग सरकार के विचार में है और हड़ताल टाली जाए। ऑल इंडिया बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन के महासचिव ने कहा कि कोई नई प्रगति नहीं हुई। यूनियन का कहना है कि द्विपक्षीय समझौते में पाँच दिन पर सहमति बने ढाई साल हो गए लेकिन अधिसूचना जारी नहीं हुई। यूनियन तभी हड़ताल पर पुनर्विचार करेगी जब ठोस प्रगति दिखेगी। सरकार ने बताया कि दो प्रमुख माँगों में से एक पर कार्रवाई हो चुकी है। नवंबर 2024 में जारी परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव योजना को 2025-26 के लिए स्थगित रखा गया है। सरकार का कहना है कि वेतन, भत्ते, कल्याण निधि में 56 प्रतिशत वृद्धि, पदोन्नति और तबादला प्रक्रिया में सुधार और महिला कर्मचारियों के लिए विशेष छुट्टी जैसे कदम उठाए गए हैं। 2015 से 2026 के बीच लगभग 4.83 लाख भर्तियाँ हुई हैं और जुलाई 2026 तक अधिकारी पदों के 95.84 प्रतिशत और अधीनस्थ स्टाफ के 92 प्रतिशत पद भरे हैं। फिर भी काम का दबाव बना हुआ है क्योंकि योजनाएँ और ग्राहक संख्या तेजी से बढ़ी है। क्या पाँच दिन का सप्ताह जायज है। दुनिया के अनुभव देखें। ब्रिटेन में 61 कंपनियों में लगभग 2900 कर्मचारियों पर चार दिन के कार्य सप्ताह का बड़ा ट्रायल हुआ और अधिकांश ने इसे जारी रखा। एक अध्ययन में 141 कंपनियों के 2896 कर्मचारियों को छह देशों ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका में छह महीने तक वेतन कटौती के बिना कम घंटे काम कराया गया। बेल्जियम में कर्मचारियों को समान घंटे चार दिन में पूरा करने का अधिकार मिला है। आइसलैंड में सार्वजनिक क्षेत्र के घंटे कम किए गए हैं। जापान में टोक्यो सरकार ने अप्रैल 2025 से चार दिन की व्यवस्था लागू की ताकि अधिक काम से मृत्यु और घटती जन्म दर की समस्या कम हो। संयुक्त अरब अमीरात, स्पेन, जर्मनी, पुर्तगाल और न्यूजीलैंड में भी प्रयोग हुए हैं। निष्कर्ष रहा कि कम दिन काम से तनाव घटता है और उत्पादकता बढ़ती है।

भारत में बैंककर्मी की हकीकत अलग है। जनधन खाता खोलना, आधार लिंक, केवाईसी, मुद्रा लोन, फसल बीमा, सरकारी सब्सिडी, रिकवरी, ऑडिट और रोज शाम लक्ष्य का दबाव एक ही कर्मचारी झेलता है। कई शाखाओं में सुबह से शाम तक कतार रहती है और लंच तक नहीं मिलता। ट्रांसफर और प्रमोशन की चिंता अलग है। लंबे समय तक बैठने और लक्ष्य के तनाव से स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। यूनियन का कहना है कि इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग चलती रहेंगी, लेकिन नकद जमा निकासी और चेक क्लियरिंग जैसी शाखा सेवाएँ प्रभावित होंगी।

दूसरी तरफ जनता की परेशानी बड़ी है। छोटे व्यापारी को 30 सितंबर को चेक क्लियर कराना है। किसान को किसान क्रेडिट कार्ड का पैसा निकालना है। पेंशनर को जीवन प्रमाण पत्र देना है। छात्र को फीस का ड्राफ्ट बनवाना है। गृहिणी को लॉकर से सामान निकालना है। अगर 26 से 30 तक शाखा बंद रही तो ऐसे सब अटकेंगे। एसबीआई ने कहा है कि एटीएम, कैश मशीन, ग्राहक सेवा केंद्र, योनो, मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई का उपयोग करें लेकिन बुजुर्ग, ग्रामीण और कम डिजिटल साक्षर ग्राहक आज भी शाखा पर ही निर्भर हैं। एटीएम में दो तीन दिन बाद नकदी की कमी भी हो सकती है।

अर्थव्यवस्था पर असर भी है। अर्धवार्षिक समापन पर सरकारी भुगतान, जीएसटी संग्रह, वेतन पेंशन, छोटे उद्योगों के चेक और बड़े व्यापारिक सौदों का निपटान होता है। समाशोधन धीमा हुआ तो चेक अटकेंगे और ब्याज का नुकसान होगा। आयात निर्यात के दस्तावेजों में देरी हो सकती है। इसलिए यह समय हड़ताल के लिए सबसे संवेदनशील माना जा रहा है। साथ ही ग्राहक सेवा बिंदुओं और बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट नेटवर्क पर अतिरिक्त भार आएगा।

C M Y K
C M Y K
C M Y K
C M Y K
C M Y K
C M Y K

वरुण विहार और नैमिष नगर योजना के किसानों ने सराहा मुआवजा प्रक्रिया को, नमरा फातिमा को मिले 70.58 लाख

'पारदर्शिता से मिली धनराशि'

कार्यक्रम

- एक हेक्टेयर जमीन के बदले कमलेश को मिले 2.80 करोड़ रुपये
- मेडिकल की पढ़ाई में खर्च करेंगी राशि
- ओम प्रकाश अवस्थी को मिले 1.96 करोड़, मुआवजे से खरीदी 16 बीघे जमीन

रामदेई ने मुख्यमंत्री योगी का जताया आभार, कहा- अच्छा मुआवजा मिला

> बख्शी का तालाब निवासी सुषमा सिंह ने बताया कि कमलाबाद स्थित उनकी जमीन नैमिष नगर योजना के अंतर्गत एलडीए को दी गई। उन्होंने कहा कि उन्हें 2 करोड़ 90 लाख रुपये का मुआवजा पारदर्शिता के साथ प्राप्त हुआ है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की वरुण विहार एवं नैमिष नगर योजना के भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान योजना के लिए भूमि देने वाले किसानों और लाभार्थी परिवारों ने योगी सरकार की कार्यप्रणाली की सराहना की। किसानों ने एक स्वर में कहा कि उन्हें उनकी भूमि का मुआवजा पारदर्शी तरीके से मिला और प्राप्त धनराशि से उन्होंने दूसरी जगह जमीन खरीदने, मकान बनाने तथा बच्चों की पढ़ाई के लिए निवेश किया है।

ग्राम दोना के मुलेश्वर सिंह ने बताया कि वरुण विहार योजना के अंतर्गत उनकी जमीन ली गई है, जिसे उन्होंने अपनी सर्वसम्मति से दिया है। मुआवजे के रूप में मिली राशि से उन्होंने अलग-अलग स्थानों पर जमीन खरीदी है। ग्राम रेवरी की रामदेई ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए कहा कि उनकी जमीन योजना में गई और उन्हें अच्छा मुआवजा मिला। उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए सरकार के प्रति अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। बक्शी का तालाब के ओम प्रकाश अवस्थी ने नैमिष नगर योजना के तहत अपनी करीब डेढ़ बीघे से अधिक जमीन दी है, जिसके बदले उन्हें 1 करोड़ 96 लाख रुपये मिले हैं। उन्होंने कहा कि मुआवजा प्राप्त करने की प्रक्रिया में उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े।

एक हेक्टेयर जमीन के बदले कमलेश को मिले 2.80 करोड़ रुपये

ग्राम दोना के किसान कमलेश कुमार ने बताया कि उन्होंने वरुण विहार योजना के अंतर्गत अपनी एक हेक्टेयर जमीन सहमति से एलडीए को दी है। इसके बदले 2 करोड़ 80 लाख रुपये का मुआवजा मिला है। उन्होंने बताया कि इस धनराशि से उन्होंने उन्नाव जिले में जमीन खरीदी और अपना मकान बनवाया। कमलेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री की इस योजना से उनके क्षेत्र और गांव का भी विकास हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को इसके लिए धन्यवाद दिया।

नमरा फातिमा को बिना कठिनाई के मिला मुआवजा

नमरा फातिमा ने हाल ही में 12वीं कक्षा पास की है और नीट की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने बताया कि नैमिष नगर में ग्राम सैदापुर स्थित उनकी जमीन एलडीए को दी गई। उन्हें 70 लाख 58 हजार रुपये एकमुश्त डीडी के माध्यम से प्राप्त हुए हैं। नमरा फातिमा ने बताया कि बिना किसी कठिनाई के मिली इस राशि से उन्होंने जमीन खरीदी है और भविष्य में यह धनराशि उनकी मेडिकल की पढ़ाई में काम आएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना से क्षेत्र में रोजगार और आवासीय सुविधाओं का विस्तार होगा तथा क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

अखिलेश यादव पीडीए को लेकर कनफ्यूज : चंद्रशेखर

लखनऊ में भागीदारी आंदोलन किया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सहारनपुर नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव पर बयानबाजी की है। उन्होंने कहा- अखिलेश यादव PDA को लेकर कन्फ्यूज हैं। वह कभी P से पंडित तो कभी पिछड़ा बताते हैं। उनका P बदलता रहता है, हमारा नहीं बदलेगा। हमारे P का मतलब पीड़ित है, पीड़ित ही रहेगा।

चंद्रशेखर ने अखिलेश यादव के 'रथ' पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा- अखिलेश यादव यादव रथ से आते हैं। दूसरे नेता जमीन से आते हैं। मैं जमीन के 10 फीट नीचे से आता हूं। मेरे पास रथ होता तो वह लखनऊ से शुरू होता और अपनी मंजिल तक जरूर पहुंचता। बहनजी (मायावती) को अगर 2027 में शक्ति मिली और मेरे शामिल होने से सत्ता आती है तो उन्हें समर्थन दूंगा।

नगीना सांसद व आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद ने गुरुवार को राजधानी के इको गार्डन में संपूर्ण भागीदारी आंदोलन किया। इसमें उनको सपोर्ट करने यूपी के कई जिलों से लोग पहुंचे हुए थे।

चंद्रशेखर ने कहा- दूसरे नेता जमीन से आते हैं, लेकिन हम जमीन के 10 फीट नीचे से आते हैं। हमें सभी पार्टियों ने दफन करने की कोशिश की। हमारे माता-पिता मंत्री नहीं थे। परिवार में कोई भी विधायक या सांसद नहीं था। हम अपने दम पर और समाज के प्यार से यहां तक पहुंचे हैं।

फास्ट न्यूज

महिला पर धारदार हथियार से हमला

लखनऊ । लखनऊ के चिनहट में पुरानी रंजिश के चलते एक परिवार पर पड़ोसियों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। विवाद सफारी कार जलाने को लेकर शुरू हुआ। विरोध करने पर आरोपियों ने परिवार के साथ मारपीट की। हमले में महिला के गाल का मांस कट गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हरदासी खेड़ा निवासी उदय प्रताप मिश्रा ने पुलिस को बताया कि 23 सितंबर की सुबह उनकी सफारी कार को आग लगाकर जला दिया गया।

गांधी भवन में आरक्षण व कॉलेजियम पर संगोष्ठी

लखनऊ। लखनऊ के गांधी भवन में न्यायपालिका में आरक्षण, सामाजिक प्रतिनिधित्व और कॉलेजियम व्यवस्था जैसे ज्वलंत मुद्दों पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बोधिसत्व डॉ. आंबेडकर अधिवक्ता संघ के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में न्यायपालिका में पारदर्शिता और सामाजिक विविधता पर गंभीर विमर्श हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के संगठन मंत्री एडवोकेट डीके सुदर्शन ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने वंचित समाज को राजनीतिक अधिकार दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष किया।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में फ्री हेल्थ चेकअप

लखनऊ । लखनऊ के नवयुग कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के प्रथम एक दिवसीय शिविर का सफल आयोजन किया गया। प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व मां सरस्वती की वंदना से हुआ। इस मौके पर बी.एससी. (प्रथम वर्ष) की छात्रा ऊनी गुप्ता ने 'लक्ष्य गीत' पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया।

ग्लोबल मंच पर चमकेगा ब्रज की 'दीदियों' का हुनर

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026

तमसा संकेत, संवाददाता

आगरा। ग्रेटर नोएडा में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआ-ईटीएस) 2026 में इस बार ब्रज क्षेत्र की महिलाओं के हुनर का डंका विश्व स्तर पर बजेगा। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार 'लोकल फॉर वोकल' और 'लोकल टू ग्लोबल' के विजन को धरातल पर उतारते हुए ग्रामीण अंचल की महिलाओं को आत्मनिर्भरता की नई उड़ान दे रही है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ब्रज क्षेत्र में गठित स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की 'दीदियां' इस ट्रेड शो में हिस्सा लेंगी। यहां उनके द्वारा तैयार किए गए उत्कृष्ट उत्पादों का शानदार प्रदर्शन और विपणन किया जाएगा, जिससे उनके व्यवसाय को एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय बाजार मिल सकेगा।

आजीविका मिशन की योजनाओं का होगा प्रचार- प्रसार

इस अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में केवल उत्पादों की बिक्री ही नहीं होगी, बल्कि उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत चल रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं की भी जानकारी प्रदान की जाएगी। ट्रेड शो के माध्यम से समूह गठन की प्रक्रिया, टेक होम राशन, बीसी सखी और विद्युत सखी जैसी महिला सशक्तिकरण की योजनाओं के बारे में आगंतुकों को जागरूक किया जाएगा।

ब्रज के शानदार उत्पादों की होगी प्रदर्शनी

यूपीआईटीएस में आगरा मंडल से स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की व्यापक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। मेले में आने वाले देशी- विदेशी खरीदार और निवेशक फिरोजाबाद जनपद की महिलाओं द्वारा बनाए गए कांच के मनमोहक सजावटी उत्पाद देख सकेंगे। इसके साथ ही मथुरा जनपद की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए मिट्टी के खूबसूरत बर्तन, तुलसी गमला और फ्लावर पॉट भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। वहीं मैनपुरी जनपद के समूहों द्वारा निर्मित आकर्षक आर्टिफिशियल ज्वेलरी, टेडीबियर और जूट बैग आदि उत्पादों का स्टॉल भी लगेगा, जहां से इनकी बिक्री कर ग्रामीण महिलाएं सीधे मुनाफा कमा सकेंगी।

मुरादाबाद के डीआईओएस कार्यालय कर्मचारी पर भाजपा प्रत्याशी के प्रचार का आरोप

शिक्षक चुनाव में आचार संहिता उल्लंघन का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन-2026 को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को ज्ञापन सौंपा है। सपा ने मुरादाबाद जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में कार्यरत कर्मचारी जीत सिंह पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि कर्मचारी जीत सिंह खुलेआम भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों के पक्ष में प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। सपा का दावा है कि

सपा ने की कार्रवाई की मांग

जीत सिंह एक विद्यालय के निजी वाहन के माध्यम से भाजपा प्रत्याशी का प्रचार कर रहे हैं। इस वाहन का उपयोग विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकों और अन्य स्टाफ द्वारा किया जाता है।

सपा के अनुसार, जीत सिंह द्वारा मुरादाबाद के शिक्षकों के विभिन्न वाट्सएप समूहों में भाजपा प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों को चुनाव में विजयी बनाने की अपील की जा रही है। साथ ही प्रत्याशी को जीत की अग्रिम बधाई देने संबंधी पोस्ट भी साझा की जा रही हैं। पार्टी ने इन पोस्टों को भी निर्वाचन अधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराने की बात कही है। पार्टी ने यह भी कहा कि मामले की शिकायत जिला निर्वाचन अधिकारी, मुरादाबाद से किए जाने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। सपा का आरोप है कि इस तरह की गतिविधियों से चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मांग की है कि कर्मचारी जीत सिंह के खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई जाए। साथ ही उन्हें तत्काल निलंबित करने और गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की जाए, ताकि बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन-2026 में पारदर्शी, निष्पक्ष, स्वतंत्र और निर्भीक चुनाव सुनिश्चित हो सके।

> ज्ञापन में कहा गया है कि भारत निर्वाचन आयोग ने 22 सितंबर 2026 को उत्तर प्रदेश विधान परिषद के 11 शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव की घोषणा की है। चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। सपा ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद कर्मचारी द्वारा लगातार चुनाव प्रचार किया जा रहा है।

महिला अभ्यर्थियों की उपस्थिति 90.36 प्रतिशत, पुरुष अभ्यर्थियों की 88.36 प्रतिशत

प्राचार्य पद की लिखित परीक्षा पारदर्शी एवं नकलविहीन वातावरण में सम्पन्न

- 813 पंजीकृत अभ्यर्थियों में 722 ने दी परीक्षा, उपस्थिति 88.81 प्रतिशत

> एआई कैमरों के माध्यम से परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर सतत नजर

> परीक्षा का आयोजन पारदर्शी, नकलविहीन, शुचितापूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में किया गया। आयोग के अध्यक्ष, सदस्यगण, सचिव, परीक्षा नियंत्रक एवं उपसचिव की उपस्थिति में दोनों परीक्षा केन्द्रों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी गई।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज की विज्ञापन संख्या 02/2026 के अंतर्गत प्राचार्य (अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय) पद के लिए लिखित परीक्षा गुरुवार को जनपद लखनऊ के दो परीक्षा केन्द्रों पर प्रथम पाली में प्रातः 09:30 बजे से 11:30 बजे तक सम्पन्न हुई।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशान्त कुमार ने बताया कि परीक्षा के दौरान आयोग में स्थापित AI Integrated Control Command Room से परीक्षा केन्द्रों की सघन निगरानी की गई। परीक्षा केन्द्रों पर स्थापित A.I. कैमरों के माध्यम से परीक्षा दे रहे अभ्यर्थियों की गतिविधियों की भी सतत निगरानी की गई। आयोग द्वारा परीक्षा की शुचिता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग किया गया। उन्होंने बताया कि जनपद लखनऊ के दोनों निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा निर्विघ्न, नकलविहीन, शुचितापूर्ण एवं ससमय सम्पन्न हुई। परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हुई तथा पूरी परीक्षा प्रक्रिया सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की गई। उन्होंने परीक्षा के सफल एवं सुचारू संचालन में सहयोग के लिए सम्बन्धित जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोग अध्यक्ष ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में तकनीकी निगरानी और प्रशासनिक समन्वय से परीक्षा की शुचिता बनाए रखने में महत्वपूर्ण सहायता मिली।

उन्होंने बताया कि उक्त परीक्षा के लिए जनपद लखनऊ में कुल 813 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 722 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में प्रतिभाग किया, जो कुल पंजीकृत परीक्षार्थियों का 88.81 प्रतिशत है। परीक्षा में महिला परीक्षार्थियों की उपस्थिति 90.36 प्रतिशत तथा पुरुष परीक्षार्थियों की उपस्थिति 88.36 प्रतिशत रही। आयोग द्वारा चयन प्रक्रिया को निर्धारित मानकों के अनुरूप पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

नदी में डूबकर मौत, अंतिम संस्कार के बाद बेटी जन्मी

लखनऊ । लखनऊ में गणपति प्रतिमा विसर्जन के दौरान सई नदी में डूबे 3 व्यक्तियों में से 2 की पत्नियां गर्भवती थीं। तीनों व्यक्तियों का बुधवार दोपहर अंतिम संस्कार किया गया। उनमें से एक की पत्नी ने उसी रात करीब 12 बजे बेटी को जन्म दिया। वहीं, दूसरे युवक की पत्नी अभी 3 महीने की गर्भवती है।

मंगलवार शाम प्रतिमा विसर्जन के दौरान डूब रहे साथी प्रमोद को बचाने के लिए धीरज और हरिप्रसाद ने भी नदी में छलांग लगा दी थी। प्रमोद ने दोनों दोस्तों की पीठ पर हाथ रखकर नदी से बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन तेज बहाव के कारण तीनों नदी में डूब गए। प्रमोद को तैरना आता था, इसके बावजूद वह प्रतिमा के नीचे दबने के बाद तेज बहाव में बह गया।

प्रमोद के भाई मनोज ने बताया कि धीरज और हरिप्रसाद उसके साथी थे। गणपति प्रतिमा की स्थापना के बाद से प्रमोद मजदूरी करने नहीं गया था।

68,500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थी बीजेपी दफ्तर में घुसे

जमीन पर लेटकर नारेबाजी की पुलिस से धक्का-मुक्की

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने गुरुवार को बीजेपी कार्यालय में घुसकर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थी जमीन पर लेट गए और सिर पर 'आरक्षण घोटाला' लिखी टोपी पहनकर सीटी बजाते हुए नारेबाजी की। करीब आधे घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों में धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर जबरन हटाने, कपड़े फाड़ने और बदसलूकी का आरोप लगाया। अभ्यर्थी 2018 की भर्ती में आरक्षण का लाभ देने और 5% छूट के आधार पर संशोधित चयन सूची जारी करने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है-आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है-आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे लगाए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को कार्यालय से हटाने की कोशिश की। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की हुई।

पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में दिव्यांग अभ्यर्थी भी शामिल थे।

सीतापुर से आए आशुतोष वर्मा ने कहा कि हम पिछले 8 साल से नौकरी के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में बड़े स्तर पर आरक्षण घोटाला हुआ है। राज्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी आरक्षण में गड़बड़ी की बात मानते हुए नियमों का पालन करने का आदेश दिया है।

छापेमारी : 8 लैपटॉप, 5 मोबाइल फोन, एक्सयूवी बरामद दोनों कॉल सेंटर में मैनेजमेंट संभालते थे

लखनऊ से अमेरिकियों को ठगने वाले 2 मुख्य आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के अलीगंज से अमेरिकी नागरिकों को ऑनलाइन ठगने वाले कॉल सेंटर के 2 मुख्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों कॉल सेंटर में क्लोजर टीम और मैनेजमेंट संभालते थे। इस गिरफ्तारी के साथ मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 18 हो गई है। पुलिस ने इन दोनों आरोपियों के पास से 8 लैपटॉप, 5 मोबाइल फोन, एक पेन ड्राइव, 39 हजार रुपए नकद और महिंद्रा XUV 700 कार बरामद की है।

पूछताछ में पुलिस को पता चला कि दोनों आरोपी शिवा उर्फ प्रियांशु कुशवाहा के साथ मिलकर कॉल सेंटर चला रहे थे। पुलिस की

छापेमारी से पहले दोनों फरार हो गए थे। दोनों का काम कॉल सेंटर में क्लोजर टीम और मैनेजमेंट संभालना था। वे नए युवक-युवतियों को ठगी करने की ट्रेनिंग भी देते थे। पुलिस के मुताबिक, गिरोह अमेरिका में रहने वाले लोगों को निशाना बनाता था। उनके कंप्यूटर पर Apple, Microsoft और Amazon जैसी कंपनियों के नाम से फर्जी पॉप-अप और सिक्योरिटी अलर्ट भेजे जाते थे। इनमें वायरस, बैंक अकाउंट हैक होने या डेटा लीक होने की झूठी जानकारी दी जाती थी।

- 8 लैपटॉप, 5 मोबाइल फोन, एक पेन ड्राइव, 39 हजार रुपए नकद और महिंद्रा XUV 700 कार बरामद की है।

अलर्ट में दिए फर्जी कस्टमर केयर नंबर पर पीड़ित कॉल करते थे। कॉल सेंटर के कर्मचारी सिक्योरिटी जांच के नाम पर उनसे Social Security Number (SSN), बैंकिंग डिटेल और दूसरी निजी जानकारी लेते थे। इसके बाद पीड़ितों को कानूनी कार्रवाई और बैंक अकाउंट फ्रीज होने का डर दिखाकर गिफ्ट कार्ड, बैंक ट्रांसफर या क्रिप्टोकरेंसी के जरिए पैसे ऐंठे जाते थे।

18 सितंबर को हुई थी छापेमारी

पुलिस ने 18 सितंबर को अलीगंज के नावेल्टी सिनेमा के पास रिध्या प्लाजा में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर पर छापा मारा था। उस दौरान 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। मामले में अलीगंज थाने में BNS की विभिन्न धाराओं और आईटी एक्ट की धारा 66C/66D के तहत केस दर्ज किया गया था। उसी दिन 16 लोगों को गिरफ्तार किया था। 2 आरोपी फरार थे। पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस के जरिये फरार आरोपियों की तलाश शुरू की। गुरुवार को देवेंद्र सिंह तोमर (41) और हिमांशु धर्मपाल चौहान (29) को गिरफ्तार कर लिया गया।

ई टी आई एम मशीनों में दिव्यांगजनों को नि:शुल्क यात्रा

टिकट जारी किए जाने हेतु एक नवीन सुविधा विकसित - दयाशंकर सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की साधारण श्रेणी की बसों में दिव्यांगजनों को निःशुल्क यात्रा अनुमन्य है। निःशुल्क यात्रा को सुविधाजनक एवं पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराने के आशय से वर्तमान में प्रयुक्त हो रही ETIM मशीनों में दिव्यांगजनों को निःशुल्क यात्रा टिकट जारी किए जाने हेतु एक नवीन सुविधा विकसित की गई है।

यह जानकारी देते हुए परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि इस सुविधा के अंतर्गत परिचालक द्वारा दिव्यांगजन के पहचान-पत्र (Divyangjan UDID Card) पर अंकित QR Code को ETIM मशीन से स्कैन कर, सीधे निःशुल्क टिकट निर्गत किया जा सकेगा।

इससे दिव्यांगजनों को त्वरित, सुगम एवं पारदर्शी रूप से निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध होगी।

परिवहन मंत्री ने बताया कि परिचालक द्वारा ETIM मशीन के माध्यम से दिव्यांगजन को निःशुल्क टिकट के लिए दिव्यांगजन यात्री से Boarding एवं Alighting स्टापेज पूछकर ETIM मशीन में अंकित किया जायेगा। तत्पश्चात् ETIM मशीन पर प्रदर्शित 'दिव्यांगजन' बटन पर परिचालक क्लिक करेगा।

> परिवहन मंत्री ने बताया कि परिचालक द्वारा ETIM मशीन से दिव्यांगजन को निर्गत टिकट का वास्तविक मूल्य उस परिचालक एवं बस सेवा के लोडफैक्टर तथा प्रतिफलो की गणना में सम्मिलित रहेगा। एएफसी पोर्टल पर दिव्यांगजन यात्रियों की यात्रा रिपोर्ट भी पृथक से उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि यदि किसी दशा में दिव्यांगजन कार्ड पर अंकित QR Code स्कैन होने की स्थिति में न हो, तो परिचालक द्वारा पूर्व की भाँति दिव्यांगजन को यात्रा करायी जाए।

करोड़पति कारोबारी की हत्या बेटे ने कराई थी

खुलासा

बहू बेगुनाह निकली, बेटा बोला-पिता के कई महिलाओं से अफेयर थे

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में करोड़पति दवा कारोबारी विनीत मिनोचा (63) हत्याकांड में बड़ा खुलासा हुआ है। हत्या बेटे सुब्रत (35) ने करवाई थी। बहू शालू (32) बेगुनाह निकली। गुरुवार को पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया- सुब्रत ही हत्या का मास्टरमाइंड है। बहू की रिहाई के लिए पुलिस कोर्ट में अर्जी दाखिल करेगी।

पूछताछ में सुब्रत ने बताया- पिता रंगीन मिजाज के थे। कई महिलाओं से उनके संबंध थे। इसी वजह से मां अलग रहती थीं। पिता ने उसे महिलाओं के साथ गोवा में पार्टी की फोटो भी दिखाई थी। सुब्रत को डर था कि पिता किसी महिला से शादी कर लेंगे। इससे करोड़ों की संपत्ति का दूसरा वारिस हो जाएगा। इसी आशंका में उसने पिता की हत्या की साजिश रची और नौकर से हत्या करवा दी।

विनीत मिनोचा

5 सितंबर को कारोबारी की हत्या हुई थी। पुलिस ने नौकर विशाल और उसके साथी राज किशोर को CCTV से पकड़ा था। दोनों ने पूछताछ में कहा था- शालू के कहने पर हत्या की। बुधवार को पुलिस ने शालू, विशाल और राज किशोर को 24 घंटे की रिमांड पर लिया। शालू और विशाल से कल्याणपुर थाने में सुब्रत का आमना-सामना कराया। इसी दौरान विशाल ने बताया- सुब्रत के कहने पर ही विनीत की हत्या की थी। सुब्रत ने कहा था कि पकड़े जाओ तो शालू का नाम लेना। हत्या के बदले उसे 6 लाख रुपए देने का वादा किया था। इसके बाद पुलिस ने सुब्रत से सख्ती से की तो साजिश का खुलासा हो गया।

नौकर विशाल ने पुलिस को बताया- हत्या से पहले सुब्रत ने फोन करके कहा था कि वारदात ऐसी होनी चाहिए कि मामला हत्या का नहीं, नेचुरल मौत का लगे। हत्या वाले दिन सुब्रत ने उसे 6 बार फोन किया और जल्दबाजी में बात की।

विशाल ने बताया कि विनीत की हत्या मुंह पर तकिया रखकर करने का प्लान था। इसके लिए वह साथी राजकिशोर के साथ पहले ही फ्लैट में छिप गया था। कुछ देर बाद विनीत फ्लैट में आए और अचानक उस कमरे की लाइट जला दी, जहां दोनों छिपे थे। उन्हें देखकर विनीत शोर मचाने लगे। डर के कारण विशाल ने चाकू से हमला कर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद तकिए से मुंह दबाकर हत्या करने की प्लानिंग फेल हो गई।

बेटा सुब्रत शराब-जुआ का लती, 40 लाख का कर्ज था

पुलिस कमिश्नर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया- सुब्रत शराब, जुआ और सट्टे का लती था। महंगे शौक और स्टेटस सिंबल के लिए वह कर्ज में डूबता गया। उसने बैंकों से 40 लाख रुपए का लोन ले रखा था, जिसकी 55 हजार रुपए मासिक किस्त थी। पिता उसे खर्च के लिए हर महीने 40 हजार रुपए देते थे। शालू ने पति का कर्ज चुकाने के लिए अपने पिता नरेश अरोड़ा से भी सुब्रत को 14 लाख रुपए दिलाए थे।

शालू रोती रही, पति सुब्रत ने नजर तक नहीं मिलाई

पूछताछ के दौरान शालू लगातार सुब्रत को देखती रही। लेकिन सुब्रत ने उसकी ओर नहीं देखा। जब सुब्रत ने पिता की हत्या का आरोप शालू पर लगाया तो वह रो पड़ी। उसने कहा- खुद को बचाने के लिए मुझे फंसा दिया। उसे सुब्रत पर भरोसा था, लेकिन अब उसका विश्वास टूट गया है। शालू ने कहा कि वह हैरान है कि विशाल ने उसका नाम किसके कहने पर लिया। शालू ने अपने पहले बयान को दोहराते हुए कहा- उसने ससुर विनीत मिनोचा की हत्या नहीं करवाई। ससुर से उसके अच्छे संबंध थे। उन्हें शुगर थी, इसलिए वह उनका पूरा ख्याल रखती थी। शालू ने कहा कि सुब्रत उसे अच्छी तरह जानता है, इसके बावजूद जेल में उससे मिलने तक नहीं आया।

सोनभद्र में 178.92 लीटर शराब पकड़ी गई एक आरोपी गिरफ्तार

एक आरोपी गिरफ्तार, हुंडई क्रेटा कार भी जब्त

तमसा संकेत, एजेंसी

सोनभद्र । सोनभद्र में अवैध शराब की तस्करी रोकने के लिए चलाए जा रहे'ऑपरेशन शुद्धि' के तहत अनपरा पुलिस ने बुधवार को कार्रवाई की। पुलिस ने मध्य प्रदेश से बिहार ले जाई जा रही 178.92 लीटर अवैध शराब पकड़ी।इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पकड़ी गई शराब की कीमत करीब 2.30 लाख रुपये बताई गई है।शराब ले जाने में इस्तेमाल की गई हुंडई क्रेटा कार को भी पुलिस ने जब्त कर लिया।इस गाड़ी की कीमत लगभग12 लाख रुपये है।शराब और कार मिलाकर कुल 14.30 लाख रुपये की बरामदगी हुई है। पुलिस ने बताया कि 23 सितंबर को अनपरा पुलिस संदिग्ध गाड़ियों और लोगों की जांच कर रही थी।इसी दौरान मुखबिर ने जानकारी दी कि मध्य प्रदेश की

तरफ से सफेद रंग की हुंडई क्रेटा कार(नंबर WB02AH8692)से अवैध शराब लाई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मध्य प्रदेश सीमा की तरफ जांच शुरू की।औड़ी मोड़ के टोला दुल्लापाथर में दीपक सिंह के वाहन खड़े करने वाले अहाते के पास सड़क किनारे एक सुनसान जगह पर यह कार खड़ी मिली। तलाशी के दौरान कार की पिछली सीट से रॉयल स्टैग की750 एमएल की36 बोतलें और मैकडॉवेल की180 एमएल की144 बोतलें मिलीं।डिग्गी से रॉयल स्टैग की 375 एमएल की 336 बोतलें बरामद हुईं।

कानपुर महापौर मंगल भवन की कमेटी भंग करने पर भड़कीं

बोलीं-बिना सदन की मंजूरी के फैसला करना गलत, शासन में शिकायत करेंगी

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । बेनाझावर के ब्रजेंद्र स्वरूप पार्क में बने मंगल भवन की कमेटी भंग किए जाने को लेकर गुरुवार को महापौर प्रमिला पांडेय ने नगर आयुक्त के फैसले पर नाराजगी जताई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में महापौर ने कहा कि कमेटी को भंग करने का निर्णय नगर निगम की कार्यकारिणी और सदन की स्वीकृति के बिना लिया गया है, जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने कहा कि इस मामले की शिकायत शासन से की जाएगी।

महापौर ने बताया कि मंगल भवन में अब तक करीब 100 शादियां हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि इसके निर्माण और संचालन से जुड़े कार्यों में कुछ भी गलत नहीं किया गया है। हर काम के लिए कानूनी सलाह ली गई थी। इसके बावजूद कमेटी को निरस्त किया जाना उचित नहीं है।

शहर में जर्जर सड़कों और जलभराव के मुद्दे पर महापौर ने अधिकारियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अफसर फील्ड में नहीं उतरते और शहर की बदहाली का पूरा ठीकरा महापौर पर फोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा कि शहर की समस्याओं के लिए महापौर अकेले जिम्मेदार नहीं हैं। अगर अधिकारी अपने कार्यालयों से बाहर निकलकर मौके पर निरीक्षण करते तो शहर की स्थिति इतनी खराब नहीं होती।

महापौर ने जलभराव का बड़ा कारण शहर के तालाबों पर हुए कब्जे को बताया। उन्होंने दावा किया कि करीब 312 तालाबों पर कब्जा हो चुका है और उनका कोई पता नहीं है। कल्याणपुर के एक तालाब से कब्जा हटाने का मुद्दा मुख्यमंत्री के सामने भी उठाया गया था, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने मंडलायुक्त और केडीए से तालाबों को चिह्नित कर कब्जामुक्त कराने की मांग की। साथ ही केडीए उपाध्यक्ष से टीम गठित कर कार्रवाई करने को कहा। बागी पार्षद रास्ते से भटक गए हैं वो आकर अपनी समस्याएं बता देते। इनमें से किसी पार्षद के क्षेत्र में 9 करोड़ का काम हुआ तो किसी के क्षेत्र में 10 करोड़ से ज्यादा के विकास कार्य हुए हैं।

बलरामपुर में 7 साल की बच्ची की मौत के बाद मालिक-ऑपरेटर गिरफ्तार, चौकी प्रभारी सस्पेंड

‘क्लास में गिरी वैष्णवी बाहर चल रहा था डीजे’

तमसा संकेत, एजेंसी

बलरामपुर। बलरामपुर में सोमवार 21 सितंबर को गणपति विसर्जन शोभायात्रा के दौरान तेज आवाज में बज रहे डीजे के बीच सात साल की वैष्णवी तिवारी स्कूल में अचानक गिर गई। शिक्षकों ने उसे संभाला, लेकिन कुछ ही देर बाद उसने दोबारा दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल डीजे की तेज आवाज को लेकर उठा। हालांकि, बच्ची का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया था। ऐसे में डॉक्टरों ने मौत की निश्चित चिकित्सकीय वजह बताने से इनकार किया। पुलिस भी अब तक यह दावा नहीं कर रही कि डीजे की आवाज ही मौत का कारण थी। उपलब्ध CCTV, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और दूसरे साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। सोमवार सुबह डिवाइन पब्लिक स्कूल में रोज की तरह कक्षाएं चल रही थीं। स्कूल प्रबंधन के मुताबिक, करीब 10:58 बजे वैष्णवी कक्षा में सामान्य थी। वह पढ़ाई कर रही थी और हंस-बोल भी रही थी। इसी दौरान वह अचानक अपनी सीट पर गिर गई। करीब एक सेकंड बाद उसने खुद को संभाला और बैठ गई। लेकिन कुछ ही देर बाद वह दोबारा गिरी। इस बार वह नहीं उठी।

वैष्णवी, मृतक बच्ची

केंद्रीय गणपति महोत्सव समन्वय समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. तुलशीष दूबे ने पद से इस्तीफा दे दिया।

बच्ची की मौत के बाद डीजे पर पूर्ण रोक की मांग

घटना के बाद बलरामपुर में धार्मिक जुलूसों और शोभायात्राओं में डीजे के इस्तेमाल को लेकर बहस तेज हो गई। सर्वसमाज की बैठक में शोभायात्राओं और जुलूसों में डीजे पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग उठी। इसके साथ डीजे वाहनों के नगर में प्रवेश पर निगरानी, वाहन समेत मूर्ति की कुल ऊंचाई अधिकतम 12 फीट रखने और जुलूस मार्गों पर लटकते बिजली के तारों को पहले से व्यवस्थित करने जैसे प्रस्ताव रखे गए।

शिक्षकों ने तत्काल उसे संभाला और होश में लाने की कोशिश की। करीब दो मिनट तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर उसे अस्पताल ले जाया गया। परिजन भी अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद सामने आए CCTV फुटेज में वैष्णवी कक्षा में बैठी दिखाई देती है। इसके बाद वह अचानक गिरती नजर आती है। फुटेज में उसके दोबारा संभलने और फिर गिरने का दृश्य भी कैद हुआ है। CCTV घटना का क्रम तो दिखाता है, लेकिन इससे मौत का चिकित्सकीय कारण तय नहीं होता।

बाहर से आ रही थी डीजे की तेज आवाज, क्लास में कंपन की बात

जिस समय बच्ची की तबीयत बिगड़ी, उसी दौरान स्कूल के पास से गणपति विसर्जन की शोभायात्रा गुजर रही थी। उसमें डीजे बज रहा था। स्कूल की शिक्षिका इकरा खान के मुताबिक, बाहर डीजे की आवाज बढ़ने लगी थी और कक्षा में कंपन महसूस हो रहा था। इसी दौरान वैष्णवी की तबीयत बिगड़ी। हालांकि, यह बयान भी अपने आप में यह साबित नहीं करता कि बच्ची की मौत डीजे की आवाज के कारण हुई। चिकित्सकीय कारण स्पष्ट करने के लिए आवश्यक मेडिकल साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं।

कानपुर में रथ पर निकले गजानन महाराज

कानपुर। कानपुर में गुरुवार को गणपति बप्पा की विदाई हुई। शहर के गणेश पंडालों से विसर्जन यात्राएं निकलीं। सड़कों पर ‘गणपति बप्पा मोरया’ के जयकारे गूंजते रहे। भक्त ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते नजर आए।

कई जगह बप्पा को आकर्षक रथ पर विराजमान कर यात्रा निकाली गई। कहीं भक्त प्रतिमा को कंधे पर लेकर पहुंचे। महिला, पुरुष और बच्चे भी बड़ी संख्या में विसर्जन यात्रा में शामिल हुए। पूजा-अर्चना के बाद विधि-विधान से प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

कहीं बप्पा को आकर्षक रथ पर विराजमान कर विसर्जन यात्रा निकाली गई तो कहीं भक्त प्रतिमा को अपने साथ लेकर कृत्रिम विसर्जन स्थल तक पहुंचे। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में गणपति को अंतिम विदाई देने का भाव साफ नजर आया। महिला, पुरुष और बच्चे भी बड़ी संख्या में विसर्जन यात्रा में शामिल हुए।

पीछा छुड़ाने के लिए गर्लफ्रेंड को मार डाला

कासगंज में 1.35 लाख कैश-जेवर लेकर भागा, मौके पर मिले हेडफोन ने पहुंचाया जेल

तमसा संकेत, एजेंसी

कासगंज । कासगंज में बॉयफ्रेंड ने अपने 3 दोस्तों के साथ मिलकर 18 साल की गर्लफ्रेंड की हत्या कर दी। पहले उसी के दुपट्टे से गला घोंटा, फिर चाकू से गला काट दिया। गर्लफ्रेंड अपने बॉयफ्रेंड पर भगा ले जाने का दबाव बना रही थी। कहती थी- अगर मेरी बात नहीं मानी, तो झूठे केस में फंसा दूंगी। तुम्हें जेल भिजवा दूंगी।

बॉयफ्रेंड डर गया था। वह गर्लफ्रेंड से पीछा छुड़ाना चाहता था। उसे कुछ रुपए की भी जरूरत थी। उसने बहाने से जेवर-कैश के साथ गर्लफ्रेंड को मिलने बुलाया। फिर लड़की की हत्या करके कैश और जेवर लेकर भाग गया।

गुरुवार दोपहर पुलिस ने युवती के बॉयफ्रेंड समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास युवती के 1 लाख 35 हजार रुपए, जेवर और मोबाइल बरामद किया गया है। घटना के खुलासे के लिए पुलिस की 5 टीमें लगाई गई थीं। मौके पर मिला बॉयफ्रेंड का हेडफोन अहम सुराग साबित हुआ, जिससे पुलिस उस तक पहुंच पाई। मामला शहर कोतवाली इलाके का है। जिला मुख्यालय से 17 किलोमीटर दूर गांव अशोक नगर है। यहां रहने वाली वाली नेहा का अपने घर से 500 मीटर गला कटा शव मिला था। परिवार के मुताबिक, नेहा अपनी बड़ी बहन निशा को नशीला पदार्थ खिलाकर घर से करीब 3 लाख रुपए और जेवर लेकर भाग गई थी। निशा की अक्टूबर में शादी होनी थी। उसी के लिए जेवर और कैश घर में रखा था।

काफी देर तक घर नहीं लौटने पर घरवालों ने उसकी तलाश शुरू की। घरवालों को बुधवार को ट्यूबवेल की छत पर लाश मिलने की सूचना मिली। नेहा 6 भाई-बहनों में सबसे छोटी थी।

भाई शाहरुख ने बताया था- मंगलवार रात परिवार के लोग खाना खाकर सो गए थे। इसके बाद नेहा घर से निकल गई। बुधवार तड़के 3 बजे देखा, तो वह घर पर नहीं थी।

नेहा मृतका

> चारों आरोपी नेहा को पास के फतेह सिंह के खेत में बने ट्यूबवेल की चारदीवारी के अंदर कोठरी के पास ले गए। वहां दुपट्टे से उसका गला दबाया गया, जिससे वह बेहोश हो गई। इसके बाद समीर ने चाकू से उसकी गर्दन पर वार कर दिया।

3 दोस्तों को साथ लेकर बनाया हत्या का प्लान

रुपए और जेवर हड़पने के साथ ही नेहा से पीछा छुड़ाने के लिए समीर ने अरशद, अमित और अरसलान के साथ मिलकर योजना बनाई। चारों ने तय किया कि नेहा जो सामान लेकर आएगी, उसे आपस में बांट लेंगे। इसके बाद नेहा 1 लाख 35 हजार 100 रुपए और सोने-चांदी के जेवर लेकर उनके पास पहुंची।

आरोपी समीर ने हत्या के बाद सबूत मिटाने की कोशिश की। गर्लफ्रेंड के कपड़े, चप्पल, सिम खेत के पास झाड़ियों में जला दिए।

ईयरबड्स का इस्तेमाल करने वालों को कम सुनाई दे रहा

कानपुर जीएसवीएम में 4 दिवसीय कॉन्फ्रेंस शुरू

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में शुरू हुई चार दिवसीय 43वीं UPAOICON 2026 कॉन्फ्रेंस में एक्सपर्ट्स ने बताया कि लंबे समय तक तेज आवाज में ईयरबड्स और इनसर्ट इयरफोन लगाने से सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। पिछले 8 से 10 साल से लगातार ईयरबड्स इस्तेमाल करने वालों में अब ऐसी परेशानियां देखने को मिल रही हैं।

तेज आवाज का असर कान की अंदरूनी संरचना और सुनने वाली नसों पर पड़ सकता है। इससे धीरे-धीरे नर्व डेफनेस की समस्या हो सकती है। विशेषज्ञों ने ईयरबड्स का इस्तेमाल कम से कम करने की सलाह दी है। एसजीपीजीआई के डॉ. अमित केसरी ने गुरुवार जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के ईएनटी विभाग और एओआई कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में शुरू हुई चार दिवसीय कॉन्फ्रेंस में दी। डॉ. अमित केसरी ने बताया कि कान के पर्दे के करीब लगाए जाने वाले इनसर्ट इयरफोन को लगातार और तेज आवाज में इस्तेमाल करने से कॉकलियर हियरिंग लॉस हो सकता है। इसमें आवाज सुनाई तो देती है, लेकिन उसे समझने में परेशानी होने लगती है। उन्होंने बताया कि मोबाइल पर लंबी बातचीत करनी हो और निजी बातचीत न हो तो स्पीकर मोड का इस्तेमाल किया जा सकता है। ईयरफोन जरूरी हो तो कान के बाहर लगाए जाने वाले हेडफोन या बोन-कंडक्शन डिवाइस का इस्तेमाल किया जा सकता है।

पृष्ठ 01 का शेष...

जांच का ‘कंट्री...

मामला सिर्फ कब्जे या जमीन के विवाद तक सीमित नहीं है। प्रार्थिनी का दावा है कि शिकायत के निस्तारण की प्रक्रिया ही सवालों के घेरे में आ गई है।

लेखपाल की कलम चली, शिकायत-कर्ता की आवाज नहीं सुनी गई?

प्रार्थिनी के अनुसार हलका लेखपाल सनाउल हक ने 17 जून 2026 को मौके का निरीक्षण किया और 19 जून को आख्या प्रस्तुत कर दी। आरोप है कि आख्या में प्रार्थिनी को संतुष्ट बताया गया, जबकि उनसे न तो विधिवत बयान लिया गया और न ही उनकी आपत्ति दर्ज की गई। यहीं से सवाल उठता है—जब शिकायतकर्ता ही मौके पर अपनी बात रखने और जांच में शामिल होने से इनकार कर रही है, तो “प्रार्थिनी संतुष्ट है” लिखने का आधार क्या था?

क्या मौके की स्थिति का फोटो या वीडियो बनाया गया?

क्या मकान में कथित तोड़फोड़ की जांच हुई?

क्या गृहस्थी के सामान के गायब होने के आरोप का सत्यापन हुआ?

क्या कथित कब्जे की स्थिति राजस्व अभिलेखों से मिलाई गई?

इन सवालों के स्पष्ट जवाब सामने आना अभी बाकी हैं। पुलिस जांच का दूसरा अध्याय—“पैमाइश करा लो” और फाइल बंद!

राजस्व रिपोर्ट के बाद मामला बेवाना थाने पहुंचा तो यहां भी प्रार्थिनी के अनुसार जांच की प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए।

प्रकरण की जांच उपनिरीक्षक रमाशंकर सरोज द्वारा किए जाने की बात सामने आई। प्रार्थिनी का आरोप है कि पुलिस ने शिकायतकर्ता का पक्ष प्रभावी ढंग से दर्ज करने के बजाय विपक्षी पक्ष से संपर्क के आधार पर रिपोर्ट तैयार कर दी।

पुलिस आख्या में विपक्षी सुभाष यादव आदि पुत्रगण संतराम की ओर से कथित तौर पर कहा गया कि—

“जहां भी उनकी जमीन हो, पैमाइश करा लें।”बस, यही एक लाइन अब पूरे मामले की जांच पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है। यदि विवाद वास्तव में जमीन की पैमाइश से जुड़ा था तो पैमाइश कराना जांच का हिस्सा था या सिर्फ रिपोर्ट में लिख देने भर की औपचारिकता?

अगर पैमाइश नहीं हुई तो विवाद का वास्तविक स्वरूप कैसे स्पष्ट हुआ?

अगर पैमाइश हुई तो उसकी रिपोर्ट कहां है? और अगर पैमाइश नहीं हुई तो शिकायत का निस्तारण किस आधार पर किया गया? “कंट्री डिजाइन” का सवाल इसलिए, क्योंकि कहानी में कागज आगे और जांच पीछे! पूरे मामले में प्रार्थिनी की शिकायत, लेखपाल की आख्या और पुलिस की रिपोर्ट को लेकर यही आरोप सामने आ रहा है कि मौके की वास्तविक जांच से पहले कागजी निष्कर्ष तैयार हो गए।

आईजीआरएस का ...

प्रार्थिनी विद्या देवी ने जिलाधिकारी अम्बेडकरनगर से मांग की है कि पूरे प्रकरण की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पुनः जांच कराई जाए। मौके पर राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी में पैमाइश कराई जाए, पुश्तैनी मकान की वास्तविक स्थिति का सत्यापन कराया जाए तथा लेखपाल और पुलिस द्वारा प्रस्तुत आख्या में दर्ज तथ्यों का भी परीक्षण किया जाए।

अब निगाह प्रशासन पर है कि वह इस मामले को भी कागजी निस्तारण की फाइल में दबाकर रखता है या फिर मौके पर जाकर जमीन, मकान और शिकायत—तीनों की हकीकत एक साथ सामने लाता है।

नाकारा अधिकारीयों ...

ऐसा होने पर यदि कहीं गलत रिपोर्ट लगाकर मामलों को निस्तारित करने की शिकायतें हैं तो उनकी भी पड़ताल हो सकती है। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि वर्तमान सरकार ने जिले की प्रशासनिक कमान महिला अधिकारियों के हाथों में सौंपते हुए एक नया प्रयोग किया है। जिलाधिकारी की जिम्मेदारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी प्राची सिंह के पास है। ऐसे में अधीनस्थ स्तर पर यदि आईजीआरएस के मामलों में गलत रिपोर्ट लगाने या शिकायतों का सही तरीके से निस्तारण नहीं करने की शिकायतें सामने आती हैं तो उसका सीधा असर प्रशासन की कार्यप्रणाली और सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति की छवि पर पड़ सकता है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ...

दीपके ने कहा- लोकतंत्र का मतलब है कि जनता अपनी सरकार चुने। लेकिन जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, तब से सरकार यह तय कर रही है कि कौन वोट करेगा और कौन नहीं। दरअसल, बुधवार को इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने SIR को लेकर पिछले 10 महीनों में आयोग के फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार आपत्ति दर्ज की, लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया। 2024 के चुनाव में BJP बहुमत हासिल नहीं कर सकी। ‘400 पार’ का नारा देने के बाद वह 240 सीटों पर आ गई। इसके बाद उन्हें महसूस हुआ कि क्षेत्रीय पार्टियां मजबूत हो रही हैं।

दो आवासीय और पांच ...

इस दौरान सीएम योगी ने 4520 भूखंडों के लिए पंजीकरण का शुभारंभ और 2166 करोड़ से प्रस्तावित पांच मल्टीस्टोरी हाउसिंग प्रोजेक्ट्स (लेक व्यू, पार्क व्यू, ऐशबाग स्क्वॉयर, अनंत नगर योजना स्थित अदिति अपार्टमेंट व शारदा नगर विस्तार स्थित वागेश्वरी अपार्टमेंट) का शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर पौधरोपण भी किया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों की तरह लखनऊ में अब कट्टा-बम नहीं, बल्कि ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है।

मुख्य चुनाव ...

लोकसभा और विधानसभा चुनाव में धांधली की। इससे मोदी-शाह के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी नहीं आई।

राहुल ने 2025 में SIR पर तीन प्रेस कॉन्फ्रेंस की थीं। तब उन्होंने चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया था। उन्होंने आयोग को सरकार की ‘B टीम’ भी कहा था।

राहुल ने कहा कि लोकतंत्र को खत्म करने वालों को सजा मिलनी चाहिए। CEC ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना चाहिए। पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह की जांच होनी चाहिए।

वोटर डेटाबेस का...

जोशी ने वोटर डेटाबेस के ‘धीरे-धीरे दिल्ली में केंद्रीकरण’ पर सवाल उठाया। संधू ने भी कहा कि कई राज्य अधिकारी ERONet पर पूरी पहुंच नहीं होने की बात कह रहे हैं। दोनों ने सिस्टम की सुरक्षा और किसे डेटा बदलने की अनुमति है, इसकी जांच की मांग की।

जमुई के बाद...

सरकार को बदनाम करने की कोशिश है। पांच दिन पहले 19 सितंबर को बिहार के ही जमुई में भी नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। इस मामले में 6 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। 56 सेकेंड के वीडियो में दिख रहा है कि एक लड़की सड़क पर खड़ी है। उसे कुछ लड़के परेशान कर रहे हैं। लड़की उनसे बचने की कोशिश करती है। बनियान पहने एक लड़का बार-बार उसका हाथ पकड़ता दिख रहा है। लड़की के विरोध करने पर एक लड़का उसे मारने की कोशिश करता है। ये सब बीच सड़क पर हो रहा है, लेकिन कोई बीच-बचाव के लिए नहीं आया। लड़की बार-बार कहती है कि मुझे छोड़ दो, लेकिन लड़के उसे जाने नहीं देते।

निचली अदालतें ..

कोर्ट ने कहा कि बिना माफी वाली उम्रकैद की स्पेशल कैटेगरी की सजा देने का अधिकार संवैधानिक अदालतों के पास है। यह अधिकार सेशंस कोर्ट के पास नहीं है।

बेंच ने यह भी कहा कि CrPC के तहत माफी देने और सजा कम करने की शक्ति को सेशंस कोर्ट खत्म नहीं कर सकता। सेशंस कोर्ट का यह निर्देश वैधानिक व्यवस्था के खिलाफ है।

ट्रायल कोर्ट ने 2014 में दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया और उम्रकैद की सजा दी थी।

मेंस टीम ने 8-2 से हराया, अभिषेक और दिलप्रीत ने 2-2 गोल किए, साउथ कोरिया पर दबाव बनाए रखा

भारत की एशियाड में साउथ कोरिया पर सबसे बड़ी जीत

बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने एशियन गेम्स के ग्रुप स्टेज के तीसरे मुकाबले में साउथ कोरिया को 8-2 से हरा दिया। चार बार की चैंपियन साउथ कोरिया के खिलाफ यह भारत की एशियन गेम्स में सबसे बड़ी जीत है। इस जीत के साथ भारतीय मेंस हॉकी टीम ने लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

भारत की ओर से अभिषेक और दिलप्रीत सिंह ने दो-दो गोल किए। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और साउथ कोरिया पर दबाव बनाए रखा। दूसरे क्वार्टर में भी भारत ने दबदबा बनाए रखा। दिलप्रीत सिंह ने 26वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त 5-0 कर दी। तीसरे क्वार्टर में 32वें मिनट में दिलप्रीत ने अपना दूसरा गोल दागा। अभिषेक ने 38वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया।

इससे भारतीय टीम को 7-0 की मजबूत बढ़त मिल गई। सात गोल से पिछड़ने के बाद साउथ कोरिया ने वापसी की कोशिश की। किम जाएहो ने 42वें मिनट में गोल करके साउथ कोरिया का खाता खोला। इसके बाद किम योंगबोक ने 52वें मिनट में दूसरा गोल दागा। हालांकि, तब तक मुकाबला भारत के नियंत्रण में था। मैच के आखिरी मिनट में राजिंदर सिंह ने गोल किया। इस गोल के साथ भारत ने जीत का अंतर 8-2 कर दिया।

इंडोनेशिया-श्रीलंका के बाद साउथ कोरिया को हराया

भारत ने एशियन गेम्स में अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के खिलाफ की थी। भारतीय टीम ने उस मुकाबले में 13-1 से जीत दर्ज की।

इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ भारत ने 16-1 की एकतरफा जीत हासिल की। अब साउथ कोरिया के खिलाफ 8-2 की जीत के साथ भारत ने ग्रुप स्टेज में लगातार तीसरी जीत दर्ज की है।भारतीय टीम का अगला मुकाबला 26 सितंबर को जापान से होगा।

मैच शुरू होने से पहले दोनों टीमें।

भारत ने पहले क्वार्टर में 4-0 की बढ़त बनाई

भारत ने पहले क्वार्टर के चौथे मिनट में ही बढ़त बना ली। शिलानंद लाकड़ा ने गोल करके टीम का खाता खोला। सुखजीत सिंह ने नौवें मिनट में गोल किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 11वें मिनट में गेंद गोलपोस्ट में पहुंचाई।

इससे भारत ने शुरुआती 11 मिनट में 3-0 की बढ़त बना ली। साउथ कोरिया को संभलने का मौका नहीं मिला। 14वें मिनट में अभिषेक ने भारत के लिए चौथा गोल दागा। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में ही मैच पर पूरी तरह पकड़ बना ली।

> विवेक सागर प्रसाद ने भारत के लिए 200 सीनियर इंटरनेशनल मैच पूरे कर लिए हैं। उन्होंने साउथ कोरिया के खिलाफ मुकाबले में उतरकर यह उपलब्धि हासिल की।

भारतीय टेनिस खिलाड़ी परिक्षित सोमानी पर 4 साल का बैन

डोप टेस्ट में ट्रिमेटाजिडाइन मिला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टेनिस खिलाड़ी परिक्षित सोमानी पर डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के कारण 4 साल का बैन लगाया गया है। इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (ITIA) के इंडिपेंडेंट ट्रिब्यूनल ने उन्हें प्रतिबंधित पदार्थ ट्रिमेटाजिडाइन पाए जाने के मामले में दोषी माना है। ट्रिब्यूनल ने खाने के दूषित होने की उनकी दलील को खारिज कर दिया। 26 साल के परिक्षित का 31 जुलाई 2025 को कजाकिस्तान के अस्ताना में हुए ATP चैलेंजर टूर्नामेंट के दौरान डोप टेस्ट हुआ था। उनके सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ ट्रिमेटाजि-डाइन पाया गया था। इसके बाद उन्हें 23 सितंबर 2025 को प्रोविजनल सस्पेंड किया गया। परिक्षित को प्रोविजनल सस्पेंशन के दौरान बिताया गया समय 4 साल के बैन में शामिल किया गया है। इसलिए उनका सस्पेंशन 22 सितंबर 2029 को खत्म होगा। परिक्षित ने फरवरी 2026 में अपनी सफाई में कहा था कि उन्होंने परिवार के एक सदस्य द्वारा बनाया खाना खाया था। इसी वजह से ट्रिमेटाजिडाइन उनके शरीर में पहुंचा। 19 अगस्त 2026 को इंडिपेंडेंट ट्रिब्यूनल के सामने हुई सुनवाई में परिक्षित ने इसी दलील को अपना आधार बनाया। ITIA और परिक्षित की ओर से पेश किए गए वैज्ञानिक विशेषज्ञों की राय पर विचार करने के बाद ट्रिब्यूनल ने फूड-कंटैमिनेशन की थ्योरी को वैज्ञानिक रूप से अविश्वसनीय, बेहद अटकलों पर आधारित और भरोसे के लायक नहीं माना।

चेस ओलिंपियाड- प्रज्ञानानंद और गुकेश ने भारत को जीत दिलाई

इंग्लैंड को 2.5-1.5 से हराया महिला टीम ने जर्मनी को 3.5-0.5 से मात दी

नई दिल्ली, एजेंसी

46वें FIDE चेस ओलिंपियाड के 7वें राउंड में आर प्रज्ञानानंद और डी गुकेश की जीत से भारत की मेंस टीम ने इंग्लैंड को 2.5-1.5 से हरा दिया। बुधवार को समरकंद में खेले गए मुकाबले में प्रज्ञानानंद ने टॉप बोर्ड और गुकेश ने चौथे बोर्ड पर जीत दर्ज की। इससे भारत ने पिछले राउंड में उज्बेकिस्तान से मिली हार के बाद वापसी की।

प्रज्ञानानंद ने इंग्लैंड के अनुभवी खिलाड़ी निकिता वित्युगोव को हराया। उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए दबाव बनाया और मुकाबला अपने नाम किया। यह टूर्नामेंट में उनकी दूसरी जीत है।

वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश ने चौथे बोर्ड पर डैनियल हॉवर्ड फर्नांडीज को हराया। उन्होंने टाइम प्रेशर के दौरान 40वें मूव की गलती का फायदा उठाया। इसके बाद बढ़त को जीत में बदल दिया। गुकेश अब तक टूर्नामेंट में अजेय हैं।

गुकेश ने इससे पहले भारत को पिछले दो चेस ओलिंपियाड में गोल्ड मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार भी वह तीसरे लगातार गोल्ड की दौड़ में हैं। दूसरे बोर्ड पर अर्जुन एरीगैसी ने इंग्लैंड के माइकल एडम्स से ड्रॉ खेला। तीसरे बोर्ड पर निहाल सरीन को ल्यूक मैकशेन ने हराया। यह निहाल की लगातार दूसरी हार थी। हालांकि, प्रज्ञानानंद और गुकेश की जीत से भारत ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। इंग्लैंड पर जीत के बाद भारत के 12 मैच पॉइंट्स हो गए हैं। टीम ने 7 में से 6 मुकाबले जीते हैं और एक में हार मिली है। उज्बेकिस्तान ने चीन को 3-1 से हराकर 14 पॉइंट्स के साथ बढ़त बनाए रखी है। भारत अगले राउंड में अजरबैजान से खेलेगा।

भारतीय महिला टीम ने भी 7वें राउंड में जर्मनी को 3.5-0.5 से हराया। कोनेरू हम्पी, दिव्या देशमुख और साविता श्री ने जीत दर्ज की। वैशाली का मुकाबला ड्रॉ रहा। हम्पी ने टॉप बोर्ड पर डिनारा वैगनर को हराया। दिव्या ने तीसरे बोर्ड पर जीत दर्ज की।

संजू को हटाकर वैभव को खिलाने पर बोले गंभीर, उस रात सो नहीं सका, इंग्लैंड दौरे पर टीम का जीतना जरूरी था

'उस रात सो नहीं सका'

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने संजू सैमसन को हटाकर वैभव सूर्यवंशी को खिलाने के फैसले को मुश्किल बताया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद वे पूरी रात सो नहीं सके।

इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में खेली गई 5 मैचों की टी-20 इंटर-नेशनल सीरीज के पहले मुकाबले के बाद सैमसन को टीम से बाहर कर दिया गया था। उनकी जगह वैभव को मौका मिला और उन्होंने टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया। हालांकि, वैभव के डेब्यू वाले मैच में भारत को हार का सामना करना पड़ा। भारत यह सीरीज 4-0 से हारा था। गंभीर ने कहा कि वैभव शानदार फॉर्म में थे और भारत को सीरीज जीतनी थी। इसी वजह से सैमसन की जगह वैभव को खिलाने का फैसला लिया गया। गंभीर ने कहा, संजू ने इस फैसले को समझा और इसे अच्छे तरीके से लिया। यह बातचीत सिर्फ मेरे और संजू के बीच हुई थी। इसके बाद हाल ही में भारत ने अफगा-निस्तान के खिलाफ घर में 3 मैचों की टी-20 सीरीज खेली। इस सीरीज में संजू की टीम में वापसी हुई और वैभव को बाहर किया गया। संजू ने वापसी के बाद लगातार 2 अर्धशतक लगाए। भारत ने यह सीरीज 3-0 से जीत ली। गंभीर ने कहा, मैं जानता हूं कि यह मुश्किल है। लेकिन मैंने उसे समझाया कि तुम अच्छी फॉर्म में हो। फिर भी लंबे समय से अच्छा करने वाले खिलाड़ियों को कई बार अपने मौके का इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा, एक और बात है। सोशल मीडिया या बाहर का शोर प्लेइंग XI तय नहीं करता। प्लेइंग XI वह होती है, जिसे ड्रेसिंग रूम, कोच और कप्तान मैच जिताने के लिए सबसे बेहतर मानते हैं।

फैसला बेहद मुश्किल लगा

गंभीर ने जियोस्टार से भारत के वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीजन से पहले बातचीत की। उन्होंने कहा कि सैमसन भारत की टी-20 वर्ल्ड कप जीत में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। जो खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहा हो, उसे तीन या चार मैचों के बाद बाहर करना आसान नहीं था। इसका कारण यह था कि वैभव भी शानदार फॉर्म में थे। हमें सीरीज जीतनी थी। जब आप भारत के लिए खेलते हैं या भारत को कोच करते हैं, तो हर सीरीज जीतना चाहते हैं। गंभीर ने आगे कहा,मैंने संजू से बहुत ईमानदारी से बात की। मैंने उनसे कहा कि वैभव शानदार फॉर्म में हैं। हमें टॉप ऑर्डर में रन बनाने वाला खिलाड़ी चाहिए।

मनोरंजन

'लव एंड वॉर' से रणबीर का पहला लुक जारी

मोटी मूंछें, खून के दाग वाली शर्ट और गॉगल्स में दिखा रौबदार अंदाज

नई दिल्ली। फिल्म 'लव एंड वॉर' से रणबीर कपूर का पहला लुक बुधवार को सामने आया है। पोस्टर में रणबीर का इंटेंस और रॉ अंदाज नजर आ रहा है।

रणबीर मोटी मूंछों, खून के दाग वाली शर्ट और गॉगल्स में दिखाई दे रहे हैं। उनका लुक किरदार के रफ और मजबूत अंदाज की झलक देता है।

शर्ट पर खून के दाग फिल्म की डार्क और एक्शन से भरपूर कहानी की ओर इशारा करते हैं। वहीं, गॉगल्स उनके किरदार को स्टाइलिश लुक दे रहे हैं।

पोस्टर में रणबीर का यह अवतार उनके अब तक के किरदारों से काफी अलग नजर आ रहा है। फिल्म में रणबीर के साथ आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी नजर आएंगे।

'लव एंड वॉर' दुनियाभर में 21 जनवरी 2027 को रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषा में रिलीज की जाएगी। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है। संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल पहली बार एक साथ नजर आएंगे। हालांकि, रणबीर और आलिया इससे पहले भी भंसाली के साथ काम कर चुके हैं। रणबीर कपूर ने भंसाली के निर्देशन में 'सांवरिया' (2007) से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म में उनके साथ सोनम कपूर भी मुख्य भूमिका में थीं।

> मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, "वो रुतबा, वो रौब, वो जुनून! संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' 21 जनवरी 2027 को। फिल्मों में मिलते हैं!"

'लव एंड वॉर' की रिलीज डेट कई बार बदली

संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' की रिलीज डेट अब तक कई बार बदली जा चुकी है। सबसे पहले इसकी रिलीज की घोषणा जनवरी 2024 में हुई थी। उस समय फिल्म को क्रिसमस 2025 पर रिलीज करने की योजना थी।

बड़े स्तर पर हो रही शूटिंग और प्रोडक्शन में ज्यादा समय लगने के कारण रिलीज को आगे बढ़ाया गया। इसके बाद मार्च 2026 में फिल्म रिलीज होने की बात सामने आई। इस बीच 14 अगस्त 2026 की रिलीज डेट की भी चर्चा हुई थी।

शाहरुख खान की नेटवर्थ 2,500 करोड़ कम हुई

मुंबई। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 में शाहरुख खान एक बार फिर देश के सबसे अमीर भारतीय अभिनेता बनकर उभरे हैं। हुरुन रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख खान की कुल संपत्ति 10,000 करोड़ रुपए दर्ज की गई है।

इस लिस्ट में 4,000 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ अमिताभ बच्चन दूसरे नंबर पर हैं। वहीं एक्टर सलमान खान ने 3,000 करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ पहली बार इस लिस्ट में अपनी जगह बनाई है।

इसके अलावा ऋतिक रोशन भी 2,500 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ देश के सबसे अमीर एक्टर्स की लिस्ट में बने हुए हैं।

शाहरुख खान की कुल 10,000 करोड़ रुपए की संपत्ति में उनकी प्रोडक्शन कंपनी 'रेड चिलीज एंटर-टेनमेंट' और आईपीएल टीम 'नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स' का बड़ा योगदान है। हालांकि, पिछले साल की तुलना में उनकी संपत्ति में थोड़ी गिरावट आई है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 में शाहरुख की नेटवर्थ 12,490 करोड़ रुपए दर्ज की गई थी। वहीं इस साल की शुरुआत में आई हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में उनकी कुल संपत्ति 10,800 करोड़ रुपए बताई गई थी। रिच लिस्ट में दूसरे नंबर पर मौजूद अमिताभ बच्चन की नेटवर्थ में पिछले साल के मुकाबले बड़ा सुधार देखा गया है।

इंसानों को जितना प्यार करो, कोई फायदा नहीं

रूमर्ड गर्लफ्रेंड संग दिखे गोविंदा, पत्नी का बयान आया

नई दिल्ली। गणपति उत्सव के दौरान गोविंदा को अभिनेत्री और रूमर्ड गर्लफ्रेंड कोमल रानी स्वर्णकार के साथ लालबागचा राजा के दर्शन करते देखा गया। इसके बाद सुनीता आहूजा का एक बयान सामने आया, जिसमें उन्होंने इंसानों को धोखेबाज बताते हुए जानवरों से प्यार को बेहतर बताया। हालांकि, सुनीता ने अपने बयान में गोविंदा का नाम नहीं लिया।

दरअसल, मुंबई एयरपोर्ट पर पैपराजी से बातचीत के दौरान सुनीता अपने पालतू कुत्ते विंटर के साथ थीं। पैपराजी से बात करते हुए सुनीता ने कहा कि इंसानों को जितना भी प्यार करो, कोई फायदा नहीं है। धोखा ही देते हैं। इनको प्यार करो, देखो, हमेशा चिपके रहते हैं। विंटर मुझे हमेशा छोड़ने आता है ना। उसको कैमरे में देखना भी बराबर आता है। इंसानों से अच्छे तो जानवर होते हैं भाई। जानवरों से प्यार करो, इंसानों से नहीं। धोखेबाज होते हैं इंसान। गणपति उत्सव के दौरान गोविंदा लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे। इस दौरान वह अभिनेत्री कोमल रानी स्वर्णकार के साथ नजर आए थे। दोनों ने गणपति बप्पा के दर्शन किए। इस साल गणपति उत्सव के दौरान गोविंदा और सुनीता साथ नजर नहीं आए। गणेश चतुर्थी के मौके पर सुनीता आहूजा के घर गणपति बप्पा का स्वागत किया गया।

संजय दत्त ने पत्नी मान्यता को तिलक लगाया अंकिता लोखंडे ने बप्पा के चरणों में झुककर लिया आशीर्वाद

लालबागचा राजा के दरबार में पहुंचे आयुष्मान खुराना

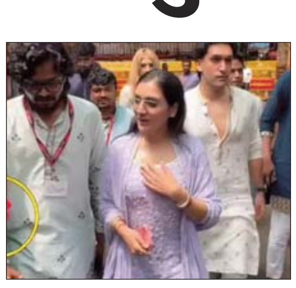

नई दिल्ली। गणेश उत्सव के दौरान मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा पंडाल में लगातार बॉलीवुड और फिल्म जगत की हस्तियां पहुंच रही हैं। बुधवार को गोविंदा के बेटे यशवर्धन और बेटी टीना ने भी गणपति बप्पा के दर्शन किए।

आज अनंत अंबानी ने भी लालबागचा राजा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। लालबागचा राजा के आधिकारिक कार्यक्रम के मुताबिक, 2026 में गणपति की स्थापना 14 सितंबर को हुई थी। 25 सितंबर को विसर्जन होगा।

इस दौरान संजय दत्त ऑरेंज कुर्ते में नजर आए, जबकि मान्यता ने पिंक सूट पहना था। दोनों ने साथ में गणपति की पूजा की। दर्शन के दौरान संजय ने बप्पा के सामने सिर झुकाया और माथे पर तिलक लगाया।

संजय दत्त का एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में आया। इसमें वह अपने माथे पर तिलक लगाने के बाद मान्यता के माथे पर भी तिलक लगाते नजर आए। दर्शन के दौरान संजय दत्त मान्यता का खास ख्याल रखते भी नजर आए। भारी भीड़ के बीच वह उन्हें अपने करीब रखते दिखे। पंडाल की तरफ जाते समय भी संजय लगातार उनके साथ चलते रहे। फिल्म 'चंदू चैंपियन' के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिलने के बाद मंगलवार सुबह कार्तिक आर्यन लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे। उन्होंने बप्पा के चरणों में अवॉर्ड रखकर आशीर्वाद लिया था। मंगलवार को गोविंदा लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे। इस दौरान वह अभिनेत्री कोमल रानी स्वर्णकार के साथ नजर आए थे। दोनों ने गणपति बप्पा के दर्शन किए थे।

> इससे पहले संजय दत्त पत्नी मान्यता दत्त के साथ लालबागचा राजा पहुंचे थे। दोनों ने साथ में पूजा की। इसी दौरान संजय दत्त की मुलाकात अभिनेता चंकी पांडे से भी हुई। चंकी अपनी बेटी अनन्या पांडे के साथ वहां पहुंचे थे। दोनों कलाकारों ने एक-दूसरे से मुलाकात की और कुछ देर बातचीत भी की।

हाईवे बंद, बुलडोजर-क्रेन लेकर रास्ता खोलने पहुंचेंगे पीटीआई कार्यकर्ता

इस्लामाबाद में इमरान समर्थकों का मार्च रोकने 2,000 कंटेनर लगाए

सख्ती

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान करीब 3 साल से जेल में बंद हैं। उनकी रिहाई के लिए PTI ने 27 सितंबर को देशभर में मार्च का ऐलान किया है।

इससे पहले इस्लामाबाद में प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। हाईवे बंद किए जा रहे हैं। करीब 2 हजार कंटेनर सड़कों पर लगाए गए हैं। पंजाब और सिंध से 20 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी बुलाए गए हैं। सरकार ने रैलियों, जुलूस और सार्वजनिक सभाओं पर 2 महीने के लिए रोक लगा दी है।

दूसरी तरफ PTI ने भी रास्ते में लगाए जाने वाले कंटेनरों को हटाने की तैयारी शुरू कर दी है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक बुलडोजर और क्रेन जैसे भारी वाहन जुटा रहे हैं। इन्हें इस्लामाबाद ले जाने की तैयारी है। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने 14 सितंबर को PTI के मार्च से जुड़े मामले में अहम निर्देश दिए थे। कोर्ट ने कहा था कि कोई राजनीतिक पार्टी या नेता सार्वजनिक सड़क, हाईवे, इंटरचेंज, टोल प्लाजा या सरकारी इमारत पर कब्जा नहीं कर सकता। कोर्ट ने यह भी कहा था कि प्रांतीय सरकारें प्रदर्शन के लिए सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल न होने दें। यानी मार्च के दौरान सरकारी संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर भी रोक लगाई गई है।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को कंटेनरों से सील कर दिया गया है।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने 14 सितंबर को कहा था कि प्रदर्शन के दौरान कोई राजनीतिक पार्टी, नेता, प्रांतीय सरकार या सरकारी अधिकारी सार्वजनिक सड़कों, हाईवे, इंटरचेंज, टोल प्लाजा या सरकारी इमारतों पर कब्जा नहीं कर सकता।

सरकार बोली- किसी भी सूरत में मार्च नहीं होने देंगे

गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने PTI नेताओं से मार्च पर दोबारा विचार करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि सरकार इस्लामाबाद की ओर होने वाले मार्च को हर संभव तरीके से रोकेगी।

उन्होंने प्रदर्शन के दौरान किसी की जान जाने पर आयोजकों को जिम्मेदार ठहराने की चेतावनी भी दी है। PTI ने हालांकि अपना कार्यक्रम रद्द नहीं किया है। पार्टी का कहना है कि इमरान खान की रिहाई के लिए मार्च किया जाएगा। PTI नेता इसे 2024 के प्रदर्शन से बड़ा बनाने की तैयारी में हैं।

पाकिस्तान तहरीक-इंसाफ पार्टी 27 सितंबर को इमरान खान की रिहाई को लेकर मार्च करने वाली है। (फाइल फोटो)

इस्लामाबाद में धारा 144 लागू, 5 से ज्यादा लोगों के जुटने पर रोक

इस्लामाबाद में धारा 144 लागू कर दी गई है। इसके तहत 5 या उससे ज्यादा लोगों के एक जगह जुटने पर रोक है। रैली, जुलूस और प्रदर्शन भी नहीं हो सकेंगे।

शहर के कई हिस्सों में कंटेनरों को वेल्डिंग करके जोड़ा गया है। कुछ कंटेनरों के बाहर लोहे के कीले भी लगाए गए हैं।

पुलिस के मुताबिक इस्लामाबाद-पेशावर मोटरवे, इस्लामाबाद-डेरा इस्माइल खान मोटरवे और ग्रैंड ट्रंक रोड को कई जगह बंद किया जाएगा। रावलपिंडी और अटक के कुछ इलाकों में 27 सितंबर को मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं बंद करने की मांग भी की गई है।

देशभर में 2-अक्टूबर को यूपीआई से पैसा नहीं लेंगे व्यापारी

क्यूआर कोड को काले कपड़े से ढकेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर आप अपनी जैब में कैश नहीं रखते और UPI से ही पेमेंट करते हैं, तो 2 अक्टूबर को ऐसा नहीं कर पाएंगे। क्योंकि देशभर के व्यापारियों ने इस दिन नो UPI डे मनाने का ऐलान किया है। यानी इस दिन देशभर में कोई भी व्यापारी और दुकानदार UPI से पेमेंट नहीं लेंगे।

महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर (MAC-CIA) अध्यक्ष रवींद्र मंगवे ने बताया कि यह आंदोलन सिर्फ महाराष्ट्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देशभर के 500 से ज्यादा प्रमुख व्यापारी संगठन इसमें हिस्सा लेंगे। इस दिन व्यापारी संगठन 15 अक्टूबर से 2000 रुपए से ज्यादा ट्रांजैक्शन पर लगने वाले 0.4% चार्ज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। व्यापारियों की इस चार्ज को हटाने की मांग है। इस दौरान

व्यापारी QR कोड, स्कैनर, साउंड बॉक्स और अन्य डिजिटल पेमेंट डिवाइसेस को काले कपड़े से ढककर विरोध करेंगे।

AICPDF के राष्ट्रीय अध्यक्ष धैर्यशील पाटिल ने कहा कि रिटेल व्यापारी और डिस्ट्रीब्यूटर बहुत ही कम मार्जिन पर काम करते हैं। डिजिटल लेनदेन पर अतिरिक्त चार्ज थोपने से व्यापार लागत बढ़ेगी। डिजिटल पेमेंट का उद्देश्य प्रोसेस को आसान बनाना होना चाहिए, व्यापारियों पर वित्तीय बोझ डालना नहीं। AIAOTF के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने कहा कि UPI के उपयोग से पूरी पेमेंट चेन ट्रांसपेरेंट हुई है और कैश का चलन घटा है।

फास्ट न्यूज

एनएसई के शेयर केवल 0.84% ऊपर 1800 पर लिस्ट

मुंबई । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के शेयरों की आज 24 सितंबर को स्टॉक मार्केट में धीमी शुरुआत हुई। ये इश्यू प्राइस 1,785 के मुकाबले सिर्फ 15 रुपए या 0.84% ऊपर 1,800 पर लिस्ट हुए। हालांकि, लिस्टिंग के कुछ ही देर बाद इसमें अच्छी खरीदारी देखने को मिली और शेयर 5.14% चढ़कर 1,876 के दिन के हाई पर पहुंच गया।

सोने-चांदी के दाम में लगातार चौथे दिन गिरावट

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 24 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी IBJA के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 853 रुपए गिरकर 1.51 लाख रुपए पर आ गया है। एक किलो चांदी 2,716 रुपए सस्ती होकर 2.30 लाख रुपए पर आ गई है। ये लगातार चौथा दिन सोने-चांदी के दाम में गिरावट है। चांदी 4 दिन में करीब 7 हजार और सोना 2,500 रुपए सस्ता हो चुका है गोल्ड ETF सोने के गिरते-चढ़ते भावों पर बेस्ड होते हैं। गोल्ड ETFs की खरीद-बिक्री शेयर की ही तरह BSE और NSE पर की जा सकती है।

स्टार्च से बने पनीर पैकेट पर 'पनीर' नहीं लिख पाएंगे

नई दिल्ली। जो पनीर दूध से बनने के बजाय वनस्पति तेल या स्टार्च जैसी चीजों से तैयार होता है उसके पैकेट पर पनीर शब्द का इस्तेमाल नहीं हो सकेगा। FSSAI ने एनालॉग पनीर को लेकर नया ड्राफ्ट जारी किया है। इसका मकसद ग्राहकों को भ्रम से बचाना है। जब कोई व्यक्ति बाजार से पनीर खरीदे तो उसे पता चल सके कि वह असली दूध का पनीर ले रहा है या तेल-स्टार्च से बनी कोई दूसरी चीज।

कोर्ट ने ट्रम्प का फैसला 6 दिन बाद ही पलटा

सीएनएन समेत 3 मीडिया हाउस की व्हाइट हाउस में एंट्री पर बैन हटाया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फैसले को 6 दिन बाद ही पलट दिया। उन्होंने 18 सितंबर को CNN, MS NOW और पॉलिटिको को व्हाइट हाउस से बैन करने का ऐलान किया था।

ट्रम्प के फैसले पर 14 दिनों के लिए अस्थायी रोक लगाते हुए अमेरिकी फेडरल जज टिमोथी केली ने कहा कि मीडिया पर लगाया गया बैन अमेरिकी संविधान के खिलाफ हो सकता है।

तीनों मीडिया संस्थानों ने ट्रम्प के फैसले के खिलाफ कोर्ट में अपील की थी। अब इन तीनों मीडिया संस्थानों के पत्रकारों को फिर से व्हाइट हाउस में एंट्री मिल सकेगी।

पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए ट्रम्प ने कहा था कि फेक न्यूज फैलाने के लिए CNN, MS NOW और पॉलिटिको को बैन

किया। पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए ट्रम्प ने कहा था कि फेक न्यूज फैलाने के लिए CNN, MS NOW और पॉलिटिको को बैन किया। तीनों मीडिया संस्थानों ने कहा था कि एंट्री एक्सेस हटाने से पहले उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका भी नहीं दिया गया। ट्रम्प के ऐलान के बाद जब CNN के पत्रकार व्हाइट हाउस पहुंचे तो उनका मीडिया पास काम नहीं कर रहा था। CNN, MS NOW और पॉलिटिको ने कोर्ट में कहा था कि ट्रम्प का बैन लगाने का फैसला उनके फर्स्ट अमेंडमेंट अधिकारों का उल्लंघन करता है।

47 देशों के नागरिकों को भर्ती किया : जेलेंस्की, जंग में भारत के 51 लोगों की मौत

रूस भारतीयों को बहला फुसलाकर जंग में भेज रहा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को UN महासभा में कहा कि रूस 47 देशों के नागरिकों को बहला-फुसलाकर अपनी सेना में भर्ती कर रहा है। इनमें भारत के लोग भी शामिल हैं।

जेलेंस्की ने कहा कि इन देशों के नागरिकों को धोखे से रूस लाया गया और बाद में युद्ध के मैदान में भेज दिया।

भारत के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, रूसी सेना में 227 भारतीय नागरिक भर्ती हुए थे। इनमें से 139 को रूसी सेना से छुट्टी मिल चुकी है, जबकि 51 की मौत हुई है। भारत सरकार बाकी नागरिकों की वापसी के लिए रूस से बातचीत कर रही है। जेलेंस्की ने उत्तर कोरिया पर भी रूस की मदद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने रूस की मदद के लिए अपने सैनिक भेजे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन ने दो उत्तर कोरियाई युद्धबंदियों को दक्षिण कोरिया भेजा है। उनके मुताबिक, दोनों सैनिकों को जिंदा पकड़ना आसान नहीं था। किम जोंग उन यूक्रेन युद्ध में लड़ चुके सैनिकों के सम्मान में आयोजित समारोह में शामिल हुए थे। तस्वीर 22 जुलाई 2025 की है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने 23 सितंबर को UN महासभा को संबोधित किया।

जेलेंस्की का दावा है कि इसके बदले उत्तर कोरिया को आधुनिक सैन्य तकनीक मिल रही है। इसमें बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन तकनीक से जुड़ी मदद भी शामिल है।

जेलेंस्की ने दूसरे देशों से अपने नागरिकों को रूस-यूक्रेन युद्ध से दूर रखने की अपील की।

जेलेंस्की बोले- पुतिन ज्यादा जमीन कब्जाना चाहते हैं

जेलेंस्की ने कहा कि रूस ज्यादा से ज्यादा लोगों को युद्ध में उतारकर यूक्रेन में अपनी पकड़ बढ़ाना चाहता है। उन्होंने दूसरे देशों से रूस पर दबाव बढ़ाने और उसकी युद्ध क्षमता कम करने की अपील की।

जेलेंस्की ने रूस की कमाई पर रोक लगाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि युद्ध रोकने के लिए रूस को आर्थिक रूप से कमजोर करना होगा।

उन्होंने भारत, चीन और तुर्किये से रूस के साथ ऊर्जा कारोबार कम करने की अपील की। उनके मुताबिक, अगर ये देश रूस से ऊर्जा खरीद कम करते हैं तो मॉस्को पर युद्ध रोकने का दबाव बढ़ेगा।

कहा- ड्रोन हमलों का जवाब दिया, तालिबान ने पहले चौकियों पर गोलाबारी की

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने गुरुवार को अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तराड़ ने कहा कि ये हमले अफगानिस्तान से एक दिन पहले हुए ड्रोन हमलों के जवाब में किए गए हैं।

तारड़ के मुताबिक, इन 10 जगहों का इस्तेमाल ड्रोन लॉन्च करने और उन्हें रखने के लिए किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि इन ठिकानों की पहचान की गई और सटीक तरीके से हमलों को अंजाम दिया गया।

पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के आतंकियों ने पक्तिया और नंगरहार से पाकिस्तान में घुसने की कोशिश की। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने इसे नाकाम कर दिया। इसके बाद अफगान तालिबान बलों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर मोर्टार और भारी हथियारों से गोलाबारी की। जवाब में पाकिस्तान ने तालिबान की चौकियों और मोर्टार ठिकानों पर तोपों से हमला किया। पाकिस्तान TTP को 'फितना-उल-खवारिज' कहता है। TTP और अफगान तालिबान अलग संगठन हैं। हालांकि, दोनों के बीच गठजोड़ बताया जाता है। TTP का मानना है कि पाकिस्तान सरकार सच्चा इस्लाम नहीं मानती है, इसलिए वो उसके खिलाफ हमला करता है। TTP का अफगान तालिबान के साथ गहरा जुड़ाव है। दोनों समूह एक-दूसरे को समर्थन देते हैं। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान ने TTP को निशाना बनाकर अफगानिस्तान में हमले किए।

2001 में अमेरिका के अफगानिस्तान पर हमले के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ दिया। इससे टीटीपी नाराज हो गया, वह इसे इस्लाम के खिलाफ मानता था।

पाकिस्तान ने 8 ड्रोन मार गिराने का दावा

पाकिस्तान ने बुधवार को दावा किया कि उसकी सुरक्षा बलों ने 8 ड्रोन मार गिराए। अधिकारियों के मुताबिक, ये ड्रोन अफगान तालिबान ने भेजे थे और कोहाट व तोर्खम में घुसने की कोशिश कर रहे थे।

सभी ड्रोन सीमा के पास ही गिरा दिए गए। पाकिस्तान के मुताबिक, इनसे कोई नुकसान नहीं हुआ। दूसरी तरफ अफगानिस्तान ने इन हमलों से इनकार किया था। अफगान तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को कहा था कि हमारे सुरक्षा बलों ने कोई हमला नहीं किया।

अमेरिकी-युद्धपोत लिंकन के 8 नौसैनिकों ने आत्महत्या की कोशिश की

वॉरशिप ईरान के खिलाफ 300 से ज्यादा दिन तैनात था

लंदन, एजेंसी

अमेरिकी युद्धपोत USS अब्राहम लिंकन के स्ट्राइक ग्रुप में शामिल 8 नौसैनिकों ने आत्महत्या की कोशिश की। इनमें एक नौसैनिक जहाज से समुद्र में कूद गया था। दूसरे को साथियों ने कूदने से पहले रोक लिया। ये घटनाएं तब हुईं, जब USS लिंकन ईरान के खिलाफ अमेरिकी मिशन में शामिल था। यह 300 दिन से ज्यादा समय से समुद्र में तैनात था।

अमेरिकी नौसेना के कार्यवाहक सचिव हंग काओ ने सीनेटर कर्स्टन गिलिब्रैंड को भेजे पत्र में इसकी जानकारी दी।

पत्र के मुताबिक, अगस्त की शुरुआत में एक नौसैनिक जहाज से समुद्र में कूद गया था। उसे नौसेना के रेस्क्यू हेलिकॉप्टर ने बचा लिया।

वहीं मार्च में एक दूसरे नौसैनिक ने भी समुद्र में कूदने की कोशिश की थी, लेकिन साथियों ने उसे रोक लिया था। USS अब्राहम लिंकन पर

करीब 5,000 नौसैनिक तैनात हैं। यह जहाज 300 दिन से ज्यादा समय तक समुद्र में रहा। हाल ही में इसने बिना किसी बंदरगाह पर रुके सबसे लंबे समय तक समुद्र में रहने का अमेरिकी नौसेना का रिकॉर्ड बनाया।

इस महीने की शुरुआत में USS अब्राहम लिंकन 5 दिन के लिए थाईलैंड के पटाया में रुका था। इसके बाद शनिवार को यह गुआम पहुंचा। डेमोक्रेट सीनेटर कर्स्टन गिलिब्रैंड ने जहाज पर तैनात सैनिकों की स्थिति और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर नौसेना से जानकारी मांगी थी। इसके जवाब में नौसेना ने उन्हें यह पत्र भेजा।

हमला : इससे भारत-चीन पर असर, समुद्र में तनाव बढ़ा तो तेल लाने वाले जहाज भी फंसेंगे

फिर हमला हुआ तो युद्ध हिंद महासागर तक फैलेगा : ईरान

तेहरान, एजेंसी

ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका या इजराइल ने उस पर दोबारा हमला किया, तो पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध हिंद महासागर तक फैल सकता है।

AFP के मुताबिक, ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई के सलाहकार याह्या रहीम सफावी ने गुरुवार को कहा कि संघर्ष पहले ही फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट से निकलकर लाल सागर तक फैल चुका है। अगर दोबारा हमला हुआ तो युद्ध का दायरा और बढ़ सकता है। अगर ऐसा होता है तो इससे भारत और चीन जैसे बड़े तेल आयातक देशों पर बड़ा असर पड़ सकता है।

अमेरिका-ईरान जंग शुरू होने के बाद से ट्रम्प पिछले 7 महीने में 10 से ज्यादा बार ईरान को तबाह करने की धमकी दे चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें पलटकर बातचीत का रास्ता अपनाना पड़ा।

हिंद महासागर यूरोप, पश्चिम एशिया को एशियाई देशों से जोड़ने के लिए बेहद अहम है। समुद्र में तनाव बढ़ने से पश्चिम एशिया से तेल लाने वाले जहाजों पर हमले की आशंका बढ़ जाएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने UN महासभा ईरान को एक बार फिर से तबाह करने की धमकी दी है। मंगलवार को UN में अपने भाषण में उन्होंने कहा- अमेरिका के पास दो रास्ते हैं- ईरान के साथ समझौता करना या उसे खत्म कर देना।उन्होंने आगे कहा, 'मैंने यूरोपीय देशों को बताया था कि ईरान बैलिस्टिक मिसाइलों की आड़ में परमाणु बम बना रहा था। जब दूसरे नेता केवल इंतजार कर रहे थे, तब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ कार्रवाई कर उसे रोका।' इससे पहले ईरान की सेना ने भी ट्रम्प पर निशाना साधा था। ईरानी सशस्त्र बलों ने आरोप लगाया कि ट्रम्प ने UN के मंच का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ अमेरिकी आक्रामकता को सही ठहराने के लिए किया।

अल जजीरा के मुताबिक, ईरानी सेना ने कहा कि ट्रम्प की बार-बार दी जा रही धमकियां ताकत की निशानी नहीं, बल्कि रणनीतिक हताशा की निशानी हैं।

यूएन में ट्रम्प पर भड़के पजशकियान

ईरान की यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब राष्ट्रपति मसूद पजशकियान UN महासभा में हिस्सा लेने अमेरिका पहुंचे हैं। UN में पजशकियान ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के रवैये को धौंस जमाने वाली मानसिकता बताया था। पजशकियान ने कहा कि ईरान अमेरिका के दबाव के आगे नहीं झुकेगा। UN महासभा में अपने भाषण के दौरान पजशकियान ने कहा कि धमकियों से ईरान का इरादा और मजबूत होगा। हालांकि, उन्होंने युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत का रास्ता खुला रखने की बात भी कही।

दावा- मार्च में हिंद महासागर तक पहुंचा था युद्ध

ईरान के मुताबिक, इस साल मार्च में भी युद्ध का असर हिंद महासागर तक पहुंचा था। उस समय अमेरिका के हमले में ईरान का युद्धपोत IRIS देना डूब गया था। यह घटना श्रीलंका के तट के पास हुई थी। रॉयटर्स के मुताबिक, ईरानी फ्रिगेट श्रीलंका के गाले शहर से करीब 19 नॉटिकल मील दूर डूबा था। यह जगह श्रीलंका के विशेष आर्थिक क्षेत्र यानी EEZ में आती है।

जिनपिंग 11 साल बाद अमेरिका पहुंचे, ट्रम्प रिसीव करने गए

ट्रेड, एआई और ताइवान पर बातचीत होगी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 11 साल बाद अमेरिका पहुंचे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प प्रोटोकॉल तोड़कर खुद जॉइंट बेस एंड्रयूज एयरपोर्ट पहुंचे और उनका स्वागत किया। ट्रम्प के साथ फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प भी मौजूद थीं। शी के साथ उनकी पत्नी पेंग लियुआन भी अमेरिका पहुंची हैं।

आज जिनपिंग का व्हाइट हाउस में औपचारिक स्वागत होगा। इस दौरान सैन्य विमान फ्लाईओवर करेंगे और करीब 500 अमेरिकी सैन्यकर्मी समारोह में शामिल होंगे।

इसके बाद ट्रम्प और शी के बीच द्विपक्षीय बातचीत होगी। इसमें व्यापार, टैरिफ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ताइवान और रूस से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। रात में ट्रम्प व्हाइट हाउस में शी जिनपिंग और पेंग लियुआन के सम्मान में

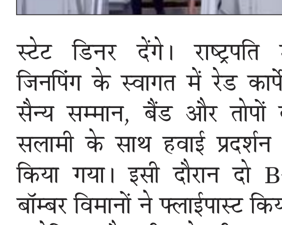

स्टेट डिनर देंगे। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के स्वागत में रेड कार्पेट, सैन्य सम्मान, बैंड और तोपों की सलामी के साथ हवाई प्रदर्शन भी किया गया। इसी दौरान दो B-1 बॉम्बर विमानों ने फ्लाईपास्ट किया। अमेरिका और चीन के बीच सबसे बड़ा मुद्दा ट्रेड और टैरिफ है। ट्रम्प के टैरिफ के जवाब में चीन ने भी अमेरिकी सामान पर टैक्स बढ़ाए थे। अब दोनों देश टैरिफ कम करने की कोशिश कर रहे हैं। करीब 30-30 अरब डॉलर के सामान पर टैरिफ घटाने और ऊर्जा व कृषि उत्पादों पर टैक्स कम करने को लेकर बातचीत चल रही है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96